संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 78
पृष्ठ 8
शुक्रवार
06 दिसम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में फटे होठों को ....

विचार- महाराष्ट्र में लोकतंत्र का....

खेल- ऑस्ट्रेलिया ने भारत का....

बांटने वाले काटने और कटवाने का कर रहे इंतजाम : योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न और सामाजिक एकता को तोड़कर, आपको बांटकर फिर काटने व कटवाने का इंतजाम कर रहे हैं। रामायण मेला समिति द्वारा रामकथा पार्क में आयोजित 43वें रामायण मेला का गुरुवार को शुभारंभ करते हुये उन्होने कहा कि 500 वर्ष पहले बाबर के सिपहसालार ने अयोध्या, संभल में जो कृत्य किया था और जो काम आज बांग्लादेश में हो रहा है, तीनों की प्रकृति–डीएनए एक जैसा है। कोई मानता है कि यह बांग्लादेश में हो रहा है तो गलतफहमी में न रहे। यहां भी बांटने वाले तत्व पहले से खड़े हैं। वे सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न और सामाजिक एकता को तोड़कर, आपको बांटकर फिर काटने व कटवाने का इंतजाम भी कर रहे हैं। उन्होने कहा " बांटने वाले बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिन्होंने दुनिया के कई देशों में प्रॉपर्टी खरीद रखी है। यहां संकट आएगा तो वे वहां भाग जाएंगे और मरने वाले मरते रहेंगे, लेकिन हम प्रभु के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उसके अनुरूप

खुद को तैयार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में योगदान देंगे।" मुख्यमंत्री ने रामायण मेला समिति को आश्वस्त किया कि अयोध्या में कुछ नया लेकर आइए, सरकार सदा आपके साथ है। उन्होंने रामायण पर शोध की आवश्यकता पर बल दिया। अयोध्या धाम को पुरातन गौरव प्राप्त हो। इसके लिए सरकार नित कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि भगवान राम ने पूरे भारत व समाज को जोड़ने का कार्य किया। जोड़ने के कार्य को हमने महत्व दिया होता और सामाजिक विद्वेष–समाज को तोड़ने की दुश्मनों की रणनीति को सफल नहीं होने देते तो देश कभी गुलाम नहीं होता और न ही तीर्थ अपवित्र होते। मुठ्ठी भर आक्रांताओं को भारत के वीर योद्धा रौंद डालते, लेकिन आपसी एकता में बाधा पैदा करने वाले सफल रहे। उन्हीं के जींस आज भी जाति के नाम पर राजनीति करने वाले सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होने कहा कि अयोध्या ने हजारों वर्षों से विश्व कल्याण की मानवता का मार्ग प्रशस्त किया है। अयोध्या दुनिया के लिए मार्गदर्शक है। यहां कोई युद्ध करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। राग–द्वेष से मुक्त अयोध्या दुनिया में चल रहे द्वंद्व के समाधान की भूमि है। प्रभु कृपा से अयोध्या धाम आज आध्यात्मिक व सांस्कृतिक रूप से वैश्विक नगरी के रूप में फिर से नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। जनवरी में पीएम नरेंद्र मोदी के करकमलों से 500 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद प्रभु फिर से राम मंदिर में विराजमान हुए हैं। 22 जनवरी को आयोजन अयोध्या में था, लेकिन उत्सव पूरा देश–दुनिया में मनाया जा रहा था।योगी ने कहा कि श्रीराम के प्रति भारत का भाव क्या है, इसका अनुभव करना हो तो गांव–गांव में संत तुलसीदास द्वारा प्रारंभ किए गए रामलीलाओं का आयोजन देखिए। प्रभु राम के प्रति सनातन धर्मावलंबियों के भाव का अनुभव करना है तो 1990 के दशक को याद कीजिए, जब हर घर में टीवी नहीं थी, लेकिन लोग सूदूर जाकर दूरदर्शन पर रामायण सीरियल देखते थे। यह प्रभु राम के प्रति भारत की सनातन श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिसके मन में श्रीराम व मां जानकी के प्रति श्रद्धा व समर्पण का भाव नहीं हैं, उसे कट्टर दुश्मन की तरह त्याग देना चाहिए। 1990 में रामभक्तों ने भी नारा लगाया था, जो राम का नहीं–वो किसी काम का नहीं। उन्होने कहा कि यह रामायण मेला 1982 में प्रारंभ हुआ। इससे पहले समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया ने अलग–अलग क्षेत्रों में रामायण मेला, रामायण उत्सव के कार्यक्रम प्रारंभ कराए। उनसे एक पत्रकार ने पूछा कि इतनी विषमता के बावजूद भारत एक कैसे है, तब उन्होंने कहा कि मैं मंदिर नहीं जाता, लेकिन दृढ़ विश्वास है कि जब तक भारत की आस्था तीन आराध्य देव (श्रीराम, श्रीकृष्ण व भगवान शिव) के प्रति बनी रहेगी, तब तक इसका कोई बालबांका नहीं कर पाएगा। इसकी एकता–अखंडता को कोई चुनौती नहीं दे पाएगा। भारत–भारत बना रहेगा। उन्होंने अपने उदाहरण से बताया कि आर्यवत की सीमा सीमित थी, लेकिन हजारों वर्ष पहले हमारे आराध्य श्रीराम ने इसे विस्तार दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने पूरब को पश्चिम से जोड़ने का कार्य किया। भगवान शंकर ने द्वाद्वश ज्योतिर्लिंग के माध्यम से सनातन एकता को सुदृढ़ किया। अब के समाजवादी डॉ. लोहिया का आदर्शन नहीं मानते। योगी ने कहा कि प्रभु के आदर्शों से प्रेरणा लेंगे तो जन्म और जीवन धन्य हो जाएगा। महाराज दशरथ ने श्रीराम से कहा कि तुम कैकैयी के वचन न मानो और यहां की गद्दी पर स्थापित हो। तब श्रीराम ने कहा कि ऐसा किया तो भावी पीढ़ी के सामने कौन सा आदर्श होगा।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने ली उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ ली। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने यहां आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति मनमोहन को शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति मनमोहन के शपथ ग्रहण करने के साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की कुल निर्धारित संख्या 34 के मुकाबले 33 हो गई। इस अवसर पर शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाले शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम ने नवंबर में न्यायमूर्ति मनमोहन को पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाने की शिफारिश की थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की सहमति के बाद तीन दिसंबर को केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर न्यायमूर्ति मनमोहन को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त करने की घोषणा की थी।

न्यायमूर्ति मनमोहन को 13 मार्च, 2008 को दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और वह 29 सितंबर, 2024 से उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं। शीर्ष अदालत के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के कॉलेजियम की सिफारिश के बाद उनकी ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि न्यायमूर्ति मनमोहन उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या दो पर हैं। इसके साथ वह दिल्ली उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन का चुनाव करते हुए कॉलेजियम ने यह भी उल्लेख किया था कि उच्चतम न्यायालय में दिल्ली उच्च न्यायालय का प्रतिनिधित्व केवल एक न्यायाधीश कर रहे हैं। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय से हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल जगमोहन के पुत्र हैं। उनका जन्म 17 दिसंबर, 1962 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल से की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की और 1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से वकालत (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने नगालैंड के लोगों को हार्नबिल महोत्सव की बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नगालैंड के लोगों को हॉर्नबिल महोत्सव की बधाई दी और देशवासियों से आग्रह किया कि वे इसके जरिए नगा संस्कृति की जीवंतता का अनुभव

करें। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हॉर्नबिल महोत्सव के लिए मेरी शुभकामनाएं और नगालैंड के लोगों को इस जीवंत त्योहार के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई। मुझे इस वर्ष के महोत्सव के दौरान अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊपन पर ध्यान केंद्रित करने की भी खुशी है।'' उन्होंने कहा, ''कुछ वर्ष पहले इस महोत्सव की अपनी यात्रा से मेरी यादें जुड़ी हैं और मैं दूसरों से आग्रह करता हूं कि वे इसे देखें और नगा संस्कृति की जीवंतता का अनुभव करें।'' प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के एक पोस्ट पर की, जिसमें उन्होंने हार्नबिल महोत्सव में भाग लेने की जानकारी साझा की थी। रियो ने 'एक्स' पर कहा, ''केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ किगवेमा गांव में हॉर्नबिल महोत्सव के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया। यह शुभ समारोह एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम को चिह्नित करने के साथ ही प्रगति और एकता का प्रतीक भी है।'' हॉर्नबिल महोत्सव नगालैंड का 10 दिनों का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है। आम तौर पर, नगालैंड के राज्य दिवस के उपलक्ष्य में एक दिसंबर से 10 दिसंबर तक उत्सव का आयोजन किया जाता है। यह महोत्सव पहली बार वर्ष 2000 में आयोजित किया गया था।

फडणवीस के शपथ ग्रहण से पहले संजय राउत का तंज

एकनाथ शिंदे युग खत्म हुआ, उन्हें किनारे कर दिया गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि एकनाथ शिंदे के शासन का युग खत्म हो गया है और दावा किया कि वह फिर कभी इस राज्य के सीएम नहीं बनेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी पर उनका इस्तेमाल करने और किनारे कर देने का आरोप लगाया. ऐसा एक दिन बाद हुआ जब भाजपा ने सर्वसम्मति से महाराष्ट्र में शीर्ष पद के लिए देवेंद्र फड़नवीस को चुना। संजय राउत ने ने कहा शिंदे युग ख़त्म हो गया, वो सिर्फ़ दो साल के लिए था। उसका प्रयोग है। उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक रणनीति का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये शिंदे की पार्टी भी तोड़ सकते हैं, ये तो हमेशा से बीजेपी रही है। यह सवाल करते हुए कि बहुमत होने के बावजूद महायुति गठबंधन को सरकार बनाने में 15 दिन क्यों लगे, राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर संभावित दरार

का संकेत दिया और कहा कि यह मुद्दा कल से दिखना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस आज से राज्य के सीएम होंगे। बहुमत होने के बावजूद सरकार बनाने के लिए 15 दिन का समय, राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर संभावित दरार का संकेत दिया और कहा कि यह मुद्दा कल से दिखना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वे महाराष्ट्र या देश के हित में काम नहीं कर रहे हैं। वे अपने स्वार्थ के कारण एक साथ आए हैं...लेकिन राज्य भर में लोग चुनाव नतीजों के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं, जिससे उन्हें यह मंजूर नहीं है।' फिर भी आज प्रदेश को सीएम मिल रहा है, हम उनका स्वागत करते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह महाराष्ट्र के लोगों से की गई अपनी सभी प्रतिबद्धताओं पर खरे उतरेंगे। सीएम का चेहरा तय करने में सरकार को 10 दिन से अधिक का समय लग गया... तीनों के बीच इतने सारे मतभेदों को देखते हुए, मुझे उम्मीद है कि महाराष्ट्र के लोगों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति अपने राजनीतिक सहयोगियों की पीठ में छुरा घोंपने की रही है।

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादियों ने जवान को गोली मारी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में पुलवामा जिले के त्राल इलाके मेंआतंकवादियों ने छुट्टी पर अपने घर आए सेना के एक जवान को बुधवार को गोली मार दी जिससे वह घायल हो गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि त्राल के अरिपाल क्षेत्र निवासी जवान डी. मुश्ताक के पैरों में दो गोलियां लगीं।

उन्होंने कहा कि यह घटना सोफीगुंड स्थित जवान के घर के पास हुई, जिसके बाद मुश्ताक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत स्थिर बताई जाती है। अधिकारियों ने बताया कि मुश्ताक अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए छुट्टी पर घर आए थे। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

झारखंड कैबिनेट का विस्तार, 11 मंत्रियों ने ली मंत्रिपद की शपथ

रॉची, एजेंसी। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिपरिषद ने शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने महेशपुर से झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी को झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलायी। 28 नवंबर को सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद झामुमो के

वरिष्ठ विधायक मरांडी को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया था। मरांडी के शपथ के बाद कई विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली. रामदास सोरेन, दीपक बिरुआ, हफीजुल हसन (जेएमएम) और कांग्रेस की दीपिका पांडे सिंह ने पिछले कैबिनेट पदों को बरकरार रखा। झामुमो ने 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 34 सीटें जीतीं, जो विधानसभा चुनावों में पार्टी द्वारा प्राप्त अब तक की सबसे अधिक सीटें हैं। इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस को 16, राजद को 4 और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को 2 सीटें मिलीं। भाजपा ने 68 सीटों पर चुनाव लड़ा, 21 जीती और विधानसभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन, पिछले महीने, झारखंड में लगातार दूसरी बार सत्ता में आया, 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें हासिल की, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 24 सीटें हासिल कर सका। 28 नवंबर को सोरेन के शपथ लेने के बाद यह भी निर्णय लिया गया कि 9–12 दिसंबर तक विधानसभा सत्र आयोजित किया जाएगा।

न्यायाशीधों की सेवानिवृत्ति आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि विभिन्न स्तर पर न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने सदन में प्रश्नकाल एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास लंबित नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की

सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 65 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और निचले न्यायालयों में 60 वर्ष है। उन्होंने कहा कि सरकार का इसमें बदलाव करने का कोई विचार नहीं है। श्री मेघवाल ने कहा कि सभी न्यायाधिकरणों, विभिन्न आयोगों और जांच समितियों में न्यायाधीशों की नियुक्ति संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार की जाती है।

चीनी कब्जे पर जवाब नहीं दे पा रही सरकार: सुरजेवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारतीय भूमि पर चीन का कब्जा है, लेकिन सरकार इस बारे में सवाल का जवाब देने में सफल नहीं हो पा रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा है कि चीनी मुद्दे पर सरकार से जब सवाल पूछा जाता है तो विदेश मंत्री एस जयशंकर रटा–रटाया जवाब देते हैं और जो असली मुद्दे हैं,।

इजरायल–फिलीस्तीन विवाद में द्वि–राष्ट्र सिद्धांत पर कायम है सरकार : जयशंकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि इजरायल–फिलीस्तीन विवाद मेंभारत द्वि राष्ट्र भारत के रुख से संबंधित एक पूरक प्रश्न के उत्तर मेंकहा कि फिलीस्तीन की मदद के लिए 50 लाख डालर का वार्षिक योगदान किया जाता है।

सिद्धांत पर कायम है और आतंकवाद के किसी भी स्वरुप की निंदा करती है। श्री जयशंकर ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान फिलीस्तीन पर पहले यह राशि 10 लाख डालर होती थी। उन्होंने कहा कि इसके साथ भारत आतंकवाद के किसी भी स्वरुप की कड़ी निंदा करता है।

इसरो ने फिर रचा कीर्तिमान, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा–3 मिशन को सफलतापूर्वक किया प्रक्षेपित

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी–सी59 रॉकेट लॉन्च किया। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा–3 मिशन को लेकर इसने शाम 4.04 बजे उड़ान भरी। इसरो इस मिशन को बुधवार की शाम 4 बजकर 8 मिनट पर लॉन्च करने वाला था, लेकिन प्रोपल्शन सिस्टम में आई खराबी के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन के लिए टाल दिया गया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पेस एजेंसी ने कहा, पीएसएलवी– सी59 सफलतापूर्वक आसमान में उड़ गया। यह यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अभूतपूर्व प्रोबा–3 उपग्रहों को तैनात करने के लिए इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता के साथ एमएसआईएल के नेतृत्व में एक वैश्विक मिशन की शुरुआत का प्रतीक है। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों के तालमेल का जश्न मनाने वाला पल है। प्रोबा–3, यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसओ) के प्रोबा सीरीज का तीसरा सोलर मिशन है। खास बात ये है कि प्रोबा सीरीज के पहले मिशन को भी इसरो ने ही 2001 में लॉन्च किया था। प्रोबा–3 मिशन के लिए स्पेन, बेल्जियम, पोलैंड, इटली और स्विट्जरलैंड की टीमों ने काम किया है। इस पर करीब 20 करोड़ यूरो (करीब 1,778 करोड़ रुपये) का खर्च आया है।

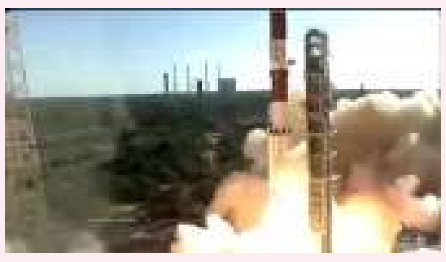

क्या है प्रोबा–3 मिशन?: प्रोबा–3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड आटोनॉमी) यान में एक डबल–सैटेलाइट शामिल है, जिसमें दो अंतरिक्ष यान सूर्य के बाहरी वायुमंडल के अध्ययन के लिए एक यान की तरह उड़ान भरेंगे। इसरो ने कहा कि श्प्रोबासश एक लातिन शब्द है, जिसका अर्थ है श्चलो प्रयास करेंश। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य सटीक संरचना उड़ान का प्रदर्शन करना है और दो अंतरिक्ष यान – कोरोनाग्राफ और ऑकुल्टर को एकसाथ प्रक्षेपित किया जाएगा।

फर्म को काली सूची से हटाने का झांसा देकर बिजली ठेकेदार से एक करोड़ की ठगी, खुद को विशेष सचिव बताया

प्रयागराज। विद्युत विभाग के ठेकेदार से 1.01 करोड़ की ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को विशेष सचिव शशांक त्रिपाठी बताकर उनकी फर्म को काली सूची से हटाने का झांसा देकर अलग–अलग बहाने से रकम ऐंठ ली। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विद्युत विभाग के ठेकेदार अजय यादव की भारत इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म है। यह फर्म विभाग में मैन पावर देने समेत अन्य सेवा संबंधित ठेका लेती है। साइबर पुलिस को अजय ने बताया कि सहसों निवासी मुमताज अली फर्म में पार्टनर था। जुलाई 2023 में मुमताज से साझेदारी भंग हो गई। इसके बाद से वह परेशान करने लगा। जीएसटी आयुक्त से फर्जी शिकायत पर बिजली विभाग ने उनका भुगतान रोक दिया और फर्म 13 जून 2024 को काली सूची में डाली अगले दिन उनके पास फोन आया। उसने खुद को मुख्य अभियंता वाराणसी जोन बताया। कहा कि एमडी साहब का निर्देश है कि सचिवालय लखनऊ से शंशाक त्रिपाठी (विशेष सचिव) फोन करेंगे, जो काम कहें कर देना। नंबर मुख्य अभियंता का होने पर विश्वास हो गया। थोड़ी देर बाद नए नंबर से व्हाट्सएप पर मैसेज आया। लिखा था कि तीन लड़कों को नौकरी पर रखना है। फिर फोन आया...खुद को शंशाक त्रिपाठी बताते हुए कहा कि मैसेज किया था क्या हुआ? इस पर जवाब दिया कि फर्म काली सूची में है। नियुक्ति नहीं हो सकती है। पत्नी के इलाज पर भी रुपये मांगे फोनकर्ता ने कहा कि एमडी पूर्वांचल से बात हो गई है, लड़कों को नियुक्त कर दो कंपनी को काली सूची से बाहर करवा देंगे। फिर शशांक त्रिपाठी ने कहा कि उनकी पूर्वांचल एमडी शंभू कुमार से बात हुई है। छह जुलाई को लखनऊ आना कंपनी को काली सूची से बाहर करवा दूंगा। इसके बाद एक लड़के को कैंसर होने की बात कहकर 10 लाख रुपये मांगे गए। दो लाख रुपये देकर मदद कर दी। वहीं, शशांक की पत्नी राधा को इलाज के नाम पर 10 लाख और धर्मेंद्र सिंह को 15 लाख नकद दिए। पुलिस अधिकारियों का भी लिया नाम कहा कि पत्नी की मौत हो गई है...अब कुछ दिन बातचीत नहीं होगी। फिर फोन आया कि पत्नी की मौत में जांच चल रही है...अब मैं अपने पद पर नहीं हूं। वापस आने पर आपकी सभी समस्याओं का निस्तारण करवा दूंगा। उसी दिन 11 जुलाई 2024 को डीजीपी ऑफिस के नंबर से फोन आया, लेकिन बात नहीं हुई। शशांक त्रिपाठी को फोन करने पर बताया कि मेरी जांच के संबंध में (एडीजी अमिताभ यस) ने फोन किया होगा। उनको कह दूंगा कि आपको परेशान न करें। इस तरह फर्म को काली सूची से निकालने के नाम कुल 86 लाख रुपये और 15 लाख रुपये नकद चुके हैं। 15 लाख और भी मांगा शिकायतकर्ता ने बताया कि 30 जून को कई बार फोन आया। यह नंबर.91 से शुरू न होकर केवल. से शुरू था। इसके बाद अन्य नंबर से आए फोन पर खुद को यूपीपीसीएल का डायरेक्टर फाइनेंस बताया। पांच सितंबर को शशांक ने जीपी सिंह ठेकेदार वाराणसी का दिया। ये 10 लाख रुपये की व्यवस्था करा देंगे। बात करने पर एमडी कार्यालय वाराणसी बुलाया। इस बीच साले नीरज को अधिकृत असलहा समेत पकड़ लिया। साजिश के तहत एक फर्जी एफआईआर थाना चितईपुर वाराणसी में दर्ज कराई गई। साले को फिर भी जेल भेज दिया गया। दोष मुक्त के नाम पर 15 लाख और मांगे गए। आरोप है कि साझेदार मुमताज अली की जानकारी देने पर साइबर ठगी हुई है।

शहर के प्रतिष्ठित अस्पताल फिनिक्स और सृजन हॉस्पिटल में आयकर ने मारा छापा, मचा हड़कंप

प्रयागराज। शहर के प्रतिष्ठित अस्पताल फिनिक्स और सृजन हॉस्पिटल में आयकर ने छापा मार दिया। इससे मरीजों और

तीमारदारों समेत अस्पताल के चिकित्सकों में अफरातफरी मची रही। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। शहर के मशहूर गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर आलोक मिश्रा, विभव मालवीय, जेपी राय समेत अन्य डॉक्टरों के घर पर सुबह आयकर विभाग के अफसरों ने छापा मार दिया। सभी डायरेक्टरों को फिनिक्स हॉस्पिटल में बुलाया गया। उधर, आयकर विभाग की अन्य टीमों ने उनके घरों पर छापा मार कर सर्च अभियान चलाया। इसके अलावा सिविल लाइंस के एल्गिन रोड स्थित सृजन अस्पताल में भी टीमें पहुंची। बालसन चौराहे के निकट कर्नलगंज इंटर कॉलेज के पीछे फोनिक्स अस्पताल में भी घंटों छानबीन की गई। करवाई शाम तक जारी रही। करोड़ों रुपये की आयकर चोरी मामला सामने आ रहा है।

पांटून पुल न बनने से छोटे व्यापारियों की बढ़ी मुश्किल

गंगापार। कौशाम्बी एवं प्रयागराज को जोड़ने वाला पांटून पुल इस वर्ष नहीं बन पाया जिसके लिए स्थानीय लोगों के साथ–साथ छोटे व्यापारियों में भी आक्रोश व्याप्त है। एक नवंबर से प्रयागराज के लालपुर एवं जमुनापार सराय अकिल कौशांबी को जोड़ने के लिए पीपा पुल का निर्माण किया जाता रहा है जिससे जमुना पार के दर्जनों गांव से लोग सब्जी दाल तरबूज अमरूद आदि सब्जियां एवं फलों को लेकर शंकरगढ़, बारा , लालापुर ,बरगढ़ आदि क्षेत्रों में साइकिल मोटरसाइकिल इत्यादि वाहनों से लेकर आया करते थे एवं अपना जीवन यापन करते हैं । इस बार पीपा पुल का निर्माण नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है की कुंभ मेले की वजह से जितने पीपा पुल रखे गए थे उसको प्रयागराज लेकर चले गए। इससे इस बार इस पीपा पुल का निर्माण नहीं हो पा रहा है। पीपा पुल का निर्माण न होने से स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है क्योंकि शंकरगढ़ थाना क्षेत्र से लालपुर होते हुए कौशांबी की ओर जाने वाले या उधर से आने वाले कई वाहन ऐसे हैं जो की समय सीमा के अंदर इधर से ही गुजारा करते हैं। पीपा पुल बनने से ट्रैफिक में भी होगी सुविधा कानपुर फतेहपुर की ओर से आने वाले चार पहिया वाहन इस पीपा पुल से होते हुए मिर्जापुर,रीवा आदि जगहों पर जा सकते हैं ।अगर पीपा पुल का निर्माण हो जाता है तो ऐसे कई वाहन है जो शहर में प्रवेश नहीं करेंगे जिससे आने वाले कुंभ मेला में ट्रैफिक से भी थोड़ा निजात मिल सकता है ।अगर स्थानीय प्रशासन एवं जिला प्रशासन इस ओर ध्यान दे तो आने वाले कुंभ मेला में ट्रैफिक जैसी समस्याओं से निजात मिल सकती है। एक स्टीमर से सैकड़ों यात्री दिनभर जाते हैं इधर–उधर लालपुर एवं सराय अकिल की ओर से आने जाने वाली सैकड़ों यात्री दिन भर एक स्टीमर के सहारे आते जाते हैं। क्योंकि नौकरी पेशा करने वाले लोगो के लिऐ ये राश्ता भी सुगम होता है परंतु पीपा पुल न बनने से इनको भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है ।इस विषय पर जब उप जिलाधिकारी बारा नवनीत कौर मिश्रा से बात की गई तो बताया कि पीपा पुल का निर्माण कौशांबी जिला प्रशासन की ओर से किया जाता रहा है परंतु इस बार नहीं बन पाया जिसके लिए संपर्क भी किया गया था परंतु कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया।

सड़क से हटाकर दुकानदारों को भेजा वेंडिंग जोन

प्रयागराज। नैनी में सड़क पर सब्जी बेचने वाले पटरी दुकानदारों को वेंडिंग जोन भेजा गया। नगर निगम के प्रवर्तन दल की एक टीम नैनी पहुंची और वेंडिंग जोन में दुकानों का आवंटन कराया लेकिन सड़क किनारे कारोबार करने वालों को खोजना शुरू किया। लगभग एक दर्जन दुकानदार मिले जो वेंडिंग जोन में दुकानों का आवंटन कराए थे। प्रवर्तन दल ने सभी को वेंडिंग जोन भेजा। दुकानदारों को साफ कहा गया है कि वेंडिंग जोन से अब बाहर गए तो दुकान का आवंटन निरस्त किया जाएगा। अब दुकानों की नियमित जांच की जाएगी।

साइबर ठगों ने राजरुपपुर के डॉक्टर से ठगे 50 लाख रुपये, ठगों ने खुद को बताया बैंक मैनेजर

प्रयागराज। साइबर ठगों ने धूमनगंज राजरूपपुर के रहने वाले डॉ. आनंद प्रकाश श्रीवास्तव के बेटे का जीवन प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को पीएनबी का मैनेजर बताकर घटना को अंजाम दिया है। साइबर थाना पुलिस ने ठगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। धूमनगंज के राजरूपपुर में डॉ. आनंद प्रकाश श्रीवास्तव परिवार समेत रहते हैं। जबकि उनका बेटा बिहार के लखीसराय में रहता है। उन्होंने साइबर थाना पुलिस को बताया कि एक नवंबर को उनको लखीसराय जाना था। इसलिए बेटे का जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कुछ दिन पहले 16 अक्तूबर को उन्होंने इंटरनेट पर सर्च किया। यहां से मिले नंबर के माध्यम से लखीसराय के पीएनबी में फोन किया। मैनेजर के लिए पूछा तो जवाब मिला कि वह मैनेजर मनोज कुमार है। जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की जानकारी देने पर उसने व्हॉटसएप पर एक नंबर दिया। कहा कि एपीके फाइल के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। इसके बाद खाता नंबर के साथ एटीएम पिन मांगा। मना करने पर कहा कि सिस्टम में अपलोड करना है कोई दिक्कत नहीं होगी। जानकारी देते ही खाते ही कुल 50 लाख रुपये की रकम निकाल ली गई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना ने केस दर्ज किया है। वहीं, पुलिस अब मोबाइल नंबर और ठगों के खातों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है। पुलिस अफसरों का कहना है कि ठगों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मुंडेरा कैलाशपुरी निवासी रेनू प्रजापति से क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर पुलिस को बताया कि 27 नवंबर को उनके पास फोन आया।

कहा कि आपकी क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ गई है। जवाब दिया कि बढ़ा दीजिए। अगले दिन फिर फोन आया। कहा कि लिमिट बढ़ाने के लिए भेजे गए ओटीपी को बताना होगा।

तुरंत लिमिट बढ़ जाएगी। जानकारी देने पर खाते से तीन बार में 1.24 लाख क्रेडिट कार्ड से 69152 व 23815 की ठगी कर ली। साथ ही पर्सनल लोन में पांच लाख ठगे। इस तरह कुल 7.16 लाख रुपये की चपत लगा दी। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है।

स्वामी स्वरूपानंद ने हनुमानजी के दिव्य गुणों का किया बखान, भाव विभोर हुए भक्त

प्रयागराज। गंगा तट पर स्थित चिन्मय मिशन में चार दिवसीय ज्ञान यज्ञ, मिशन के विश्व प्रमुख स्वामी स्वरूपानंद के प्रवचन का समापन हुआ। मिशन के सदस्य तथा श्रोताओं ने स्वामी जी के मुख से 'हनुमानाष्टक' की अद्भुत व सरस व्याख्या का आनंद लिया, महाराज ने हनुमान जी के व्यक्तित्व के दिव्य गुणों, उनकी अनन्य भक्ति तथा भगवान के काज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अलौकिक प्रेम के विषय में अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत किया। ये कक्षायें एक से चार दिसंबर तक रसूलाबाद स्थित मिशन की प्रयाग शाखा के अखिलेश्वर महादेव मंदिर में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम के समापन में मिशन के वरिष्ठ सदस्यों एवं अन्य पदाधिकारियों ने स्वामीजी के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया तथा कक्षा की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इसके बाद गुरुदक्षिणा का कार्यक्रम हुआ और महाराज जी ने सबको प्रसाद पुस्तिका प्रदान की। सत्संगी भाइयों ने बुक स्टाल पर जाकर अपने व अपने बच्चों के लिये अनेक ज्ञानवर्धक मिशन की पुस्तकें भी खरीदीं। आश्रम में समष्टि भिक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी महात्माओं ने, ट्रस्ट के सदस्यों ने व भक्तों ने भाग लिया। श्री हनुमान जी के प्रति अनन्य भक्तिभाव से सम्पन्न होकर सभी भक्तों ने स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

रुद्रा अपार्टमेंट में हुई चोरी के खुलासे में पांच टीम गठित, पुलिस ने कई संदिग्धों को उठाया

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के रीवा राजमार्ग के मामा भांजा तलाबा चौराहे के पास स्थित रुद्रा एन्क्लेव अपार्टमेंट में सोमवार रात सात

फ्लैटों में हुई चोरी के खुलासे के लिए नैनी पुलिस और एसओजी की पांच टीमें बनाई गई है। वहीं मामले में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना में मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है मामले में जल्द खुलासा कर दिया जाएगा। बता दे कि अपार्टमेंट के टॉवर तीन में रहने वाले व्यापारी अभिषेक गुप्ता, अधिवक्ता विंध्यवासिनी पांडे उनके पड़ोसी सुषमा ओझा और उपर वाले तल में रहने वाले ठेकेदार ईश नारायण पांडे के साथ टॉवर दो में रहने वाले सुमन अग्रवाल, एलआईसी कर्मचारी अरूण श्रीवास्तव व फ्लैट में किराए पर रहने वाले छात्र आनंद सिंह परिहार के फ्लैट का निशाना बनाया। पीड़ितों के अनुसार चोर नगदी सहित लाखों के आभूषण उठा ले गए थे। चोरी की सूचना पर मौके पर फ्रिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वायड टीम के साथ एसओजी यमुनापार की टीम पहुंची थी। मामले में नैनी पुलिस और एसओजी की पांच टीमें बनाई गई है। वहीं मामले में आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मांने तो अभी हाल में चोरी के मामले में जेल से छूटे लोगों की तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस के अनुसार महेवा स्थित अपार्टमेंट और यहां हुई चोरी को एक ही गैंग ने अंजाम दिया है। साथ ही चोरी करने वाले लोगों को बंद फ्लैटों के बारे में जानकारी थी। पुलिस मामले में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने के साथ ही सिक्योरिटी गार्ड और फ्लैट में काम करने आने वाले लोगों से पूछताछ करने में जुटी है। प्रभारी नैनी कोतवाली वैभव सिंह ने बताया कि चोरी के खुलासे के लिए टीम बनाई गई है, जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। नैनी के बाद अब शातिर चोरों ने गंगापार के हनुमानगंज स्थित रुद्रा अपार्टमेंट में छह दिन के भीतर दूसरी दफे धावा बोलकर हड़कंप मचा दिया है। छह दिन पहले शातिर चोरों ने हाईकोर्ट अधि ।वक्ता के सूने फ्लैट पर धावा बोलकर लाखों का सामान पार कर दिया। इसी बीच मंगलवार की रात शातिर चोरों ने एक बार फिर रुद्रा अपार्टमेंट में धावा बोला। शातिर चोर फ्लैट के दरवाजे में लगे तीन में से दो लॉक तोड़ने में सफल हो गए लेकिन तीसरा ताला नहीं तोड़ पाए। उजाला होने के कारण शातिर चोर वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई तो मौके पर पहुंची और तफ्तीश की। हालांकि शातिर चोरों का अब तक सुराग नहीं लग सका है। हाईकोर्ट अधिवक्ता उदयशंकर मिश्र सरायइनायत थाना क्षेत्र के नसीरापुर गांव स्थित रुद्रा अपार्टमेंट के टॉवर एक में रहते हैं। उन्होंने टॉवर 2 में एक फ्लैट पर किराए पर लेकर अपना आफिस बना रखा है। 29 नवंबर की रात शातिर चोर सूने पड़े फ्लैट पर पहुंचे और दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर दाखिल हो गए। इसके बाद शातिर चोरों ने चांदी और पीतल के बर्तन के साथ ही अन्य सामान पार कर दिया। शातिर चोरों ने तकरीबन ढाई लाख रुपये का सामान पार कर दिया था। घटना की जानकारी 30 नवंबर की सुबह हुई तो खलबली मच गई। सूचना पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची औ तफ्तीश की। इसी बीच मंगलवार की रात शातिर चोरों ने अपार्टमेंट में एक बार फिर धावा बोला। शातिर चोरों ने रिटायर्ड इफ्को अफसर आरपी सिंह के सूने मकान पर धावा बोला। आरपी सिंह इन दिनों नागपुर अपने बेटे के पास गए हैं। शातिर चोर फ्लैट के मुख्य दरवाजे पर लगे तीन तालों में से दो तोड़ने में सफल हो गए थे लेकिन तीसरा ताला नहीं तोड़ पाए। संभवतरू उजाला हो जाने के कारण शातिर चोर वहां से फरार हो गए। छह दिन के भीतर लगातार दूसरी दफे शातिर चोरों की धमा–चौकड़ी से अपार्टमेंट के लोग सकते में हैं।

हाईकोर्ट ने कहा, आदेश का पालन नहीं होने पर न्यायालय में उपस्थित रहेंगे एसएसपी गोरखपुर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी डिग्री पर पैथॉलाजी चलाने के मामले में कहा कि एसएसपी गोरखपुर अगली तारीख तक जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं करते हैं तो 11 दिसंबर को न्यायालय में उपस्थित रहेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र

त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने मुकदमों को रद्द करने की राम पांडेय की याचिका पर दिया। गोरखपुर निवासी डॉ. राहुल नायक ने 17 मई 2024 को राम पांडेय पर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि राम पांडेय ने फर्जी तरीके से उनकी डिग्री प्राप्त कर पैथॉलाजी चला रहे थे। आरोपी ने दर्ज मुकदमे को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इसी मामले में डॉक्टर की तरफ अधिवक्ता अश्विनी कुमार श्रीवास्तव व अभ्युदय मेहरोत्रा ने कैविएट फाइल किया था। दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग का विरोध किया। बुधवार को अपर शासकीय अधिवक्ता जीपी सिंह ने 07 नवंबर 2024 के आदेश का अनुपालन के लिए सुनवाई को स्थगित करने की प्रार्थना की। इस पर न्यायालय ने निर्देश दिया कि अगली तारीख 11 दिसंबर तक आदेश को पालन नहीं हुआ तो एसएसपी और विवेचना अधिकारी अदालत में उपस्थित रहेंगे।

कशरिडोर बनने के पहले अवैध पार्किंग शुरु

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में अवैध पार्किंग से मरीजों को इलाज कराने में परेशानी हो रही है। वार्डों के सामने वाहन खड़े करने के साथ अब अस्पताल में बनाए जा रहे नए कॉरिडोर

में भी लोगों ने पार्किंग करना शुरू कर दिया है। ट्रामा सेंटर से स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग तक मरीजों को सुरक्षित और शीघ्र लाने व ले जाने के लिए कॉरिडोर बनाया जा रहा है। कॉरिडोर लगभग बनकर तैयार हो गया है। लेकिन अस्पताल के कर्मचारी अपनी बाइक कॉरिडोर में ही खड़ी करते हैं। इससे स्ट्रेचर और व्हीलचेयर पर मरीजों को वार्ड तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है।

महाकुम्भ के दौरान डेयरियों में कैद रहेंगे मवेशी

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान हजारों मवेशी डेयरियों से बाहर नहीं निकल पाएंगे। शहर के कई क्षेत्र में डेयरी संचालकों को नगर निगम का पशुधन विभाग महापर्व के दौरान मवेशियों को डेयिरियों में ही रखने का निर्देश दे रहा है। मेला की अवधि में डेयरियों से मवेशी निकलेंगे तो पहली बार उन्हें कांजी हाउस में बंद किया जाएगा। दूसरी बार पकड़े जाने पर मवेशी की नीलामी की जाएगी। संगम को जोड़ने वाले शहर के सभी बड़े मार्ग और आसपास की गली के अलावा धर्मक्षेत्र के किनारे मोहल्लों में डेयरी संचालकों को कई बार निर्देश दिया जा रहा है। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि महाकुम्भ की अवधि में संगम से जुड़े मार्गों पर मवेशियों की रोकथाम करने की पूरी कोशिश की जा रही है। मार्गों पर निगरानी के लिए कर्मचारी भी लगाए जाएंगे। डेयरी संचालकों को एक महीने से दी जा रही चेतावनी का असर हो रहा है। महात्मा गांधी मार्ग पर मवेशियों का आना नगण्य हो गया है। मार्ग पर निगरानी के लिए कर्मचारी लगाए गए हैं। मांस की दुकानें 31 तक करनी होगी बंद महाकुम्भ के मद्देनजर संगम क्षेत्र के आसपास मोहल्लों में 31 दिसंबर तक मांस–मछली की दुकानें बंद करनी होंगी। नगर निगम का पशुधन विभाग की ओर से संगम क्षेत्र के 500 मीटर दायरे में दुकानें बंद करने का अल्टीमेटम दिया जा रहा है। दारागंज, मधवापुर, अलोपीबाग, कीडगंज, बैरहना, अल्लापुर, सलोरी, झूंसी और नैनी के दुकानदारों को अल्टीमेटम दिया गया है। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि संगम क्षत्र के 500 मीटर दायरे में 100 से अधिक दुकानें हैं। कई अस्थाई दुकानों का चालान भी किया गया है।

संतो को बांटे जूट के बैग

प्रयागराज। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश सरकार श्री अरूण कुमार सक्सेना ने संतों को जूट का बैग बांटा। प्रदेश सरकार के मंत्री गत दिवस संगम क्षेत्र पहुंचे और अखाड़ें के संतों से मिले। सतुआ बाबा से मुलाकात करने के बाद मंत्री बाघंबरी मठ गए। मंत्री ने संतों से पॉलीथीन और प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में बात की। सभी से प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया। नगर निगम के जोनल अधिकारी संजय ममगई के अनुसार मंत्री ने सभी संतों से प्लास्टिक का त्याग कर जूट या कपड़े का बैग इस्तेमाल करने का आग्रह किया। सभी संतों ने सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री के आगमन से पहले घाट का लोकार्पण

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन से पहले गंगा किनारे शहीद चंद्रशेखर आजाद घाट का लोकार्पण होगा। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी घाट का लोकार्पण करेंगे। नामकरण के बाद शहीद आजाद घाट को संवारा जा रहा है। पिछले शनिवार को नामकरण के साथ ही घाट को संवारने के लिए मजदूर लगी दिए गए। घाट पर शहीद आजाद की प्रतिमा लगाने की भी योजना है। महापौर ने बताया कि इस सप्ताह के अंत या अगले सप्ताह में घाट का लोकार्पण होगा। महापौर के मुताबिक नैनी पुल के नीचे घाट से भी मिट्टी हटाई जा रही है।

महोबा के आल्हा गायन ने बटोरी वाहवाही

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के राष्ट्रीय शिल्प मेला में मुक्ताकाशी मंच पर बुधवार की देर शाम सबसे मनमोहक प्रस्तुति महोबा के आल्हा गायन की रही। वहां से आएं कलाकार अनुरागी व साथियों ने महोबा की लड़ाई पर केंद्रित गायन की प्रस्तुति की। इसके जरिए जैसे ही कलाकारों ने 'खट खट खट देगा बोले, बाजे छपक छपक तलवार की प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का जोरदार स्वागत किया। प्रयागराज के भजन गायक संजय मित्रा ने 'वहां कौन है तेरा मुसाफिर जाएगा कहां और 'मेरा रंग दे बसंती चोला जैसे भजनों की प्रस्तुति से समां बांध दिया।

भयहरण नाथ धाम में वार्षिक अधिवेशन संपन्न

25 वाँ महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेले का भव्य आयोजन 26 जनवरी से 27 फरवरी तक

कुंभ मेला व रजत जयन्ती वर्ष के रूप मे होगा भव्य आयोजन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गत वर्षो की भाँति विश्व स्वयं सेवक दिवस पर वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। 25 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेले का भव्य आयोजन रजत जयन्ती वर्ष व कुंभ मेले के दृष्टिगत 26 जनवरी से 27 फरवरी तक भव्यता से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वहीं धाम के प्रशासनिक कार्यालय के जीर्णोद्धार योजना पर गंभीर चर्चा करके सभी के सहयोग और भागीदारी से मेला व महोत्सव से पूर्व सभी आवश्यक कार्य कराया जाना तय हुआ। 22 जनवरी को श्री राम मंदिर निर्माण दिवस पर सभी के सहयोग से राम मंदिर समिति के संयोजन में विविध आयोजन किया जायेगा। वार्षिक अधिवेशन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल ने की वहीं दूसरे सत्र की अध्यक्षता कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने किया। अधिवेशन का संयोजन महासचिव समाज शेखर ने किया। उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकांत पांडेय व उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह को सदस्यता अभियान की जिम्मेदारी दी गई। सर्व सम्मति से तय हुआ की धाम की गतिविधियों के 25 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष २५ वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेले का भव्य आयोजन रजत जयन्ती वर्ष व कुंभ मेले के दृष्टिगत 26 जनवरी से 27 फरवरी तक भव्यता से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। तय हुआ की जिला प्रशासन , पुलिस विभाग व सभी संबंधित विभाग व सभी स्थानीय संस्थाओ के सम्मिलित भागीदारी से कुंभ मेला के दृष्टिगत आयोजन होंगे। सभी ने चर्चा कर निर्णय लिया की सांसद, विधायक व नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ कार्यवाहक अध्यक्ष व महासचिव बैठक करके मेला व महोत्सव के आयोजन को अंतिम रूप दें। धाम के प्रशासनिक कार्यालय के जीर्णोद्धार योजना पर गंभीर चर्चा हुई। सभी ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता करने का संकल्प लिया। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को सभी से समन्वय कर सभी आवश्यक व्यवस्था जी सहयोग करने का निर्देश दिया गया। तय हुआ की धाम की भूमि पर जो अनावश्यक कब्जा है उस को भौतिक रूप से प्राप्त कर धाम का विकास निरंतर किया जाए। धाम से जुड़ी अन्य सार्वजनिक भूमि के विकास हेतु प्रबन्ध समिति राजस्व विभाग के साथ समन्वय कर मूर्त स्वरूप प्रदान किया जाए। बैठक मे प्रमुख रूप से डॉ अशोक अग्रहरि, दीपक जायसवाल, सुरेंद्र सिंह, चिंतामणि त्रिपाठी, तेज बहादुर सिंह, मनी राम वर्मा , शत्रुघ्न सिंह, बबलू अग्रहरि, जिया लाल, डॉ लाल चंद्र जौहर, अमरेश तिवारी, विनोद श्रीवासव, गंगा पांडेय तथा कमलेश अग्रहरि आदि ने अपने विचार रखे।

प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ हेतु संगोष्ठी का आयोजन

संगोष्ठी के बाद रैली निकाल किया जागरूक

प्रयागराज । नगर निगम प्रयागराज सभागार में आज उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया । नगर निगम

प्रयागराज के माननीय महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार सक्सेना मा.पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश मौजूद रहे । कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दी । इसमें उन्होंने बताया की कौन सी प्लास्टिक रिसाइकिल हो सकती है और कौन सी प्लास्टिक का दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता । कार्यक्रम में सीएवी इंटर कॉलेज के छात्र छात्राएं, गंगा टास्क फोर्स के सदस्य , जिला गंगा समिति के सदस्य, स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्य और नगर निगम प्रयागराज के प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी के मौजूद रहे। संगोठी के बाद प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ रैली का भी आयोजन किया गया । नगर निगम कार्यालय से शुरू हुई रैली हनुमान मंदिर सिविल लाइंस पर खत्म हुई । रैली का उद्देश्य लोग को वायु प्रदूषण के प्रति जागरूक करना रहा साथ ही लोगों को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने और कचरा न फैलाने के प्रति जागरूक किया गया ।

काव्य एवं कवि विषयक व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज । आनुसंधानिकी शास्त्रचर्या के अंतर्गत आज दिनांक 5 दिसंबर 2024 को संस्कृत विभाग, सी एम पी महाविद्यालय में प्रोफेसर आनन्द कुमार श्रीवास्तव जी का व्याख्यान हुआ। विद्वान् वक्ता ने काव्य एवं कवि विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सन्दर्भ में आपने विभिन्न शास्त्रीय प्रसंगों के आधार पर कवि एवं काव्यशास्त्र को परिभाषित किया। साथ ही आपने बताया कि कवि से किसी भी रूप में उसके व्याख्याकार या भाष्यकार का महत्त्व कम नहीं होता क्योंकि वही कवि को और उसके कवि कर्म को प्रकाशित करता है। करिया का संचालन डॉक्टर सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर दीप्ति विष्णु ने किया एवं स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो0 सुरेन्द्र पाल सिंह ने किया।

'शब्द सृजन संस्थान(पंजी.)द्वारा वृन्दावन साहित्य महोत्सव का आयोजन'

अन्नपूर्णा बाजपेयी को वृन्दावन साहित्य सम्मान से विभूषित किया जायेगा–

वृदावन। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी साहित्य के लिये समर्पित संस्था शब्द सृजन संस्थान(पंजी.) द्वारा 8 दिसम्बर को वृन्दावन साहित्य महोत्सव का आयोजन वृन्दावन शोध संस्थान में होगा जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 50 कवि कवयित्री प्रतिभाग करेंगे। संस्था के अध्यक्ष डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि शब्द सृजन संस्थान प्रति वर्ष देश मे बड़े आयोजन करता है जिसमें देश विदेश के साहित्यकार सम्मलित होते हैं।

इसी श्रृंखला में इस बार यह आयोजन 8 दिसम्बर को वृन्दावन साहित्य महोत्सव वृन्दावन के वृन्दावन शोध संस्थान के विशाल आडिटोरियम में किया जायेगा।

इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों के लगभग 50 कवियों की सहमति आ चुकी है। साहित्य के इस आयोजन में प्रतिभाग करने वाले साहित्यकारों की लगभग 1 दर्जन किताबों का विमोचन होगा। साहित्यकारों द्वारा देश भक्ति, आध्यात्म, ओज ,श्रृंगार और हास्य की अविरल धारा प्रवाहित होगी इस आयोजन में।

डॉ राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अन्नपूर्णा बाजपेयी, कानपुर को साहित्यिक सेवाओं के लिये 'वृन्दावन साहित्य सम्मान' से विभूषित किया जाएगा। डॉ राजीव पाण्डेय ने बताया संस्था ने इसी प्रकार के आयोजन करते हुए देश विदेश में हिंदी का प्रचार प्रसार करते हुए दो विश्व कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इस बार के आयोजन में राष्ट्रीय संगोष्ठी, पुस्तक विमोचन, कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। देश के मूर्धन्य एवं स्थापित साहित्य कारों के सानिध्य में नवीन रचनाकारों की पीढ़ी को तैयार करने के उद्देश्य से मंच प्रदान करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य रहा है।

वृन्दावन साहित्य महोत्सव के सफल आयोजन हेतु संस्था के महासचिव देश के वरिष्ठ गीतकार डॉ ओंकार त्रिपाठी (दिल्ली)इस आयोजन की लगातार मोनिटरिंग कर रहे हैं।

अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिये संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छन्द गुरु राजकुमार छापड़िया(मुंबई) सचिव बृज माहिर(फरीदाबाद), कोषाध्यक्ष गार्गी कौशिक(गाजियाबाद) संगठन मंत्री रजनीश स्वछंद(दिल्ली) हरियाणा प्रभारी रचना गोयल,दिल्ली प्रभारी सीमा पटेल जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विज्ञान नगरी करायेगा अद्भुत खगोलीय घटना का दर्शन

लखनऊ, संवाददाता। आगामी सात दिसम्बर शनिवार को राजधानीवासी एक अद्भूत खगोलीय घटना के साक्षी बन सकते है। इस तिथि को वृहस्पति ग्रह पृथ्वी के सबसे निकट हागा। आंचलिक विज्ञान नगरी इस दुर्लभ खगोलीय घटना को अपने शक्तिशाली टेलीस्कोप के माध्यम से दिखा रहा है। जो खगोलीय विज्ञान में रूचि रखने वालों के लिये अच्छी खबर है। जानकारी देते हुये आंचलिक विज्ञान नगरी के शिक्षा अधिकारी रामकुमार ने बताया कि वृहस्पति की पृथ्वी से अधिकतम दूरी 968 मिजिसल किमी तथा न्यूनतम दूरी 588 मिलियन किमी होती है। शनिवार को यह ग्रह पृथ्वी से अपनी न्यूनतम दूरी पर होगा। तथा यह और अधिक बड़ा तथा चमकीला दिखाई देगा। इसे देखने की व्यवस्था विज्ञान नगरी के प्रांगण में शाम चार बजे से विशेष प्रकार के टेलीस्कोप के माध्यम से की गयी है। इस अवसर पर फिल्म शो हमारा सोलर सिस्टम का प्रदर्शन भी किया जायेगा। अधिक जानकारी व पंजीकरण हेतु 9450140533 तथा 9450640978 पर संपर्क किया जा सकता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा हो, शहर कांग्रेस कमेटी ने किया शांति पाठ

लखनऊ, संवाददाता। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसक घटनाओं और हमलों को लेकर लखनऊ में शहर कांग्रेस कमेटी ने शांति पाठ और हवन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना रहा। साथ ही इसका मकसद बांग्लादेश में शांति व्यवस्था कायम करने की अपील करना था। शहर कांग्रेस अध्यक्ष की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने बांग्लादेश सरकार से मांग की। कहा कि हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और ऐसे हमलों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। यूपी कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। सरकार ऐसा नहीं कर रही है। संभल में पुलिस की गोली से मारे गए मुस्लिम युवकों की आत्मा की शांति के लिए भी यह शांति पाठ आयोजित किया गया। शांति पाठ और हवन के दौरान उपस्थित जनसमूह ने मिलकर शांति और एकता का संदेश दिया। कांग्रेसजनों ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते भाईचारे के हैं और ऐसी घटनाएं इन रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

चर्चित उन्नाव रेप कांड, कुलदीप सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, मेडिकल ग्राउंड पर मिली अंतरिम जमानत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव रेप कांड में जेल में कई सालों से बंद बंद भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरूवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने पार्टी से निष्कासित पूर्व विधायक को अंतरिम जमानत मंजूर कर दी है। बता दें कि सेंगर ने अपने वकील के माध्यम से बिगड़े स्वास्थ के चलते कोर्ट में बेल की अपील की थी। जिसपर सुनवाई करते हुए भाजपा विधायक को जमानत दी गई है। साथ ही हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि एम्स दिल्ली में कुलदीप सिंह सेंगर को भर्ती कराया जाए। कोर्ट ने इस मामले में रिपोर्ट भी मांगी है कि क्या सेंगर का एम्स में इलाज संभव है। कोर्ट के आदेश के बाद अब कुलदीप सिंह सेंगर के जेल से बाहर आने की चर्चा शुरू हो गई है। बता दें कि कुलदीप सिंह सेंगर कई साल पहले ही नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप के चलते भाजपा से निष्कासित कर दिए गए थे। साल 2017 में कुलदीप सेंगर को उन्नाव में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। पिछले आठ सालों से वह अपनी सजा काट रहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। इस जिम्मेदारी से सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज । भौतिकी विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज ने 5ध् 12ध्2024 को कॉलेज के हीरक जयंती समारोह वर्ष को मनाने के लिए भौतिकी सोसाइटी–श्एटॉमिकाश के तत्वावधान में श्रीसेंट ट्रेंडस इन क्वांटम टेक्नोलॉजीश विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान की वक्ता हरिश्चंद्र रिसर्च इंस्टिट्यूट की प्रोफेसर अदिति सेन थीं । उन्होंने बहुत ही सरल रूप में क्वांटम टेक्नोलॉजीश और क्लासिकल टेक्नोलॉजी में अंतर को बताते हुए भविष्य में क्वांटम कंप्यूटर्स की विश्व में उपयोगिता की संभावना व्यक्त की। उन्होंने क्वांटम टेक्नोलॉजी के उपयोग में आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन छात्रा प्रेरणा शुक्ला ने किया। छात्र शिवांक त्रिपाठी द्वारा मधुर सरस्वती वंदना का गायन किया गया। प्रोफेसर राकेश कुमार, संयोजक, भौतिकी विभाग ने वक्ता और श्रोताओं का स्वागत किया द्य वक्ता का औपचारिक परिचय डॉ. अजय कुमार यादव ने दिया। सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने प्रो. अदिति सेन को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया द्य डॉ. रेखा श्रीवास्तव ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर भौतिकी विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. नीलेश कुमार राय, डॉ. संगीता सिंह, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. एच पी भास्कर, डॉ. राजेश कुमार यादव और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। करीब २०० छात्रों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

पुष्पा 2 के शो हाउसफुल, फैन बोले– कल टिकट लिया था, रात भर नींद नहीं आई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में अल्लू अर्जुन का जबरदस्त क्रेज है। गुरुवार को पुष्पा 2 की ग्रैंड ओपनिंग हुई। पहला शो हाउसफुल रहा। बाद के सभी 8 शो की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। मूवी देखकर बाहर निकले फैंस ने इसे पैसा वसूल फिल्म करार दिया। मोहम्मद शादाब ने कहा कि कल रात में ही टिकट बुक किया था। रात भर नींद नहीं आई। अब मूवी देखने जा रहा हूं। वहीं, जूही ने कहा कि फिल्म में शानदार एक्शन है। लास्ट में दोनों भाइयों को मिलाकर बेहतरीन एंडिंग की गई है। दर्शकों का कहना है कि दीपावली के बाद कोई बड़ी मूवी आई है। अल्लू अर्जुन की एक्टिंग देखना हमेशा शानदार अनुभव है। इस मूवी का तीसरा पार्ट भी जल्द आएगा। यह सुपर डुपर हिट होने जा रही है। वहीं बुजुर्ग मास्टर बोले कि मूवी में सब कुछ बढ़िया था। लखनऊ के अलग–अलग एरिया में मूवी का टिकट 110 रुपए से लेकर 350 रुपए तक मिल रहा है।

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने 2025 में प्रयागराज में आयजित होने वाले महाकुंभ में मंत्रालय द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये

प्रयागराज, 5 दिसंबर। प्रयागराज में आगामी महाकुंभ–2025 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय दल दो दिवसीय दौरे पर 4 और 5 दिसंबर को प्रयागराज में रहा। जिसमें प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी,पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक धीरेंद्र कुमार ओझा,दूरदर्शन की महानिदेशक कंचन प्रसाद,आकाशवाणी की महानिदेशक प्रज्ञा पालीवाल, दूरदर्शन समाचार की महानिदेशक प्रिया कुमारी समेत मंत्रालय के कई अधिकारी शामिल रहे। इस दल ने महाकुंभ मेले के आयोजन में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न मीडिया इकाइयों आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा मेले के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश दिये। दल ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन आज कुंभ मेला क्षेत्र का भ्रमण किया तथा मेला क्षेत्र में मंत्रालय की मीडिया इकाइयों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इससे पहले कल सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत एवं मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के साथ भी बैठक की जिसमें मंत्रालय द्वारा कुंभ मेले के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु मंत्रालय द्वारा किये जा रहे कार्यो के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। महाकुंभ 2025 के लिए व्यापक तैयारियां जारी हैं, और इस दौरे को आयोजन की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मंत्रालय के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि मीडिया और संचार व्यवस्थाएं आयोजन की वैश्विक पहुंच को प्रभावी बनाने में सहायक होंगी।

बीजेपी और बाबर का डीएनए एक निकलेगा, सीएम योगी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का तीखा हमला

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी ने आज अयोध्या में रामायण मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने संभल में हुई हिंसा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि, 500 साल पहले जो बाबर ने किया था, वही आज बांग्लादेश और संभल में हो रहा है। घटनाओं की प्रकृति और डीएनए एक ही है। उनके इस बयान पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर जांच की जाए तो भारतीय जनता पार्टी और बाबर का डीएनए भी एक ही निकलेगा। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास बाबर और औरंगजेब के अलावा और कुछ नहीं है। ये विकास के नाम पर शून्य है। जो एकता और कानून व्यवस्था होनी चाहिए उसके नाम पर शून्य हैं।

सम्पादकीय.......

मुफ्त की बड़ी कीमत

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी। निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन शृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है। वहीं अपनी लोकलुभावनी नीतियों के दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करके दोनों राज्यों की सरकारों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर फंड रोकने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप ही लगाया है। वहीं दूसरी ओर पूंजी निवेश योजना के लिये विशेष सहायता से हिमाचल को बाहर किए जाने पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ऐसे ही पंजाब सरकार भी विकास निधि के आवंटन में पक्षपात का आरोप केंद्र सरकार पर लगाती रही है। जबकि यह एक हकीकत है कि चुनावी लोकलुभावनवाद से प्रेरित अस्थिर राजकोषीय नीतियां ही संकट के मूल में हैं। यह टकसाली सत्य है कि राज्य सरकारें बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के चलते वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। यह वक्त की दरकार है कि राज्य सरकारें अपना ध्यान खैरात बांटने के बजाय संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित करें। दरअसल, राज्यों को वित्तीय संकट से उबारने के लिये राजकोषीय विवेक, कुशल कर संग्रह और तार्किक सब्सिडी समय की मांग है।

महाराष्ट्र में लोकतंत्र का मजाक

महाराष्ट्र–झारखंड चुनावों में मोदी से ज्यादा अदानी का स्टेकहरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारुढ़ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस उत्साहित

डॉ. दीपक पाचपोर

पुलिस की सख्ती और नागरिकों के मतदान की मांग के कारण अराजकता उत्पन्न न हो इस वजह से फिलहाल ग्रामीण अपनी मांग से पीछे हट गए हैं, हालांकि इस मुद्दे को आगे चुनाव आयोग और न्यायपालिका तक ले जाने का उनका फैसला अटल है, क्योंकि सवाल लोकतंत्र की रक्षा का है।

महाराष्ट्र चुनावों के नतीजों में बड़ी गड़बड़ी की आशंकाओं और सवालों के बीच 3 दिसम्बर को चुनाव आयोग के सामने एक सुनहरा मौका आया था कि वह अपनी साख को सुधार ले। यह मौका दिया था कि मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के मरकरवाड़ी गांव के लोगों ने। लेकिन चुनाव आयोग ने यह अवसर अपने हाथ से गंवा दिया। दरअसल मालशिरस विधानसभा क्षेत्र से शरद पवार की एनसीपी के उम्मीदवार उत्तम जानकर को जीत हासिल हुई है, उन्होंने भाजपा के राम सातपुते को 13,147 वोटों से हराया है, लेकिन मरकरवाड़ी गांव में राम सातपुते को उत्तम जानकर से अधिक वोट मिले। श्री जानकर को 843 और श्री सातपुते को 1003 वोट मिले, जबकि यहां के लोगों को दावा था कि राम सातपुते को सौ, दो सौ वोटों से अधिक नहीं मिल सकते, इसमें ईवीएम की गड़बड़ है। अपने संदेह को दूर करने के लिए ग्रामीणों ने ऐलान किया कि हम अपने खर्च और व्यवस्था से मतपत्रों से फिर से चुनाव कराएंगे, इसके लिए उन्होंने मालशिरस के तहसीलदार को अनुमति के लिए आवेदन दिया था। लेकिन अनुमति देने की जगह प्रशासन ने यहां न केवल वोट डालने वालों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी, बल्कि धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी ताकि एक साथ पांच लोग इकठ्ठा न हो पाएं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पांच दिसंबर तक निषेधाज्ञा लागू करने का ऐलान किया गया है। पुलिस की सख्ती और नागरिकों के मतदान की मांग के कारण अराजकता उत्पन्न न हो इस वजह से फिलहाल ग्रामीण अपनी मांग से पीछे हट गए हैं, हालांकि इस मुद्दे को आगे चुनाव आयोग और न्यायपालिका तक ले जाने का उनका फैसला अटल है, क्योंकि सवाल लोकतंत्र की रक्षा का है। मालशिरस के एक गांव में अगर फिर से मतदान होता, तो जाहिर है उसका कोई कानूनी आधार नहीं होता, न ही उन नतीजों से महाराष्ट्र के नतीजे प्रभावित होते, लेकिन जिस तरह पूरे राज्य में ईवीएम को लेकर सवाल उठे हैं और पूरे महाविकास अघाड़ी के बीच यह आशंका बलवती है कि उन्हें छल कपट से हराया गया, इस मतदान से कम से कम उन सवालों के जवाब मिल जाते। मरकरवाड़ी गांव के लोगों का कहना है कि यहां 2009, 2014, 2019 और पांच महीने पहले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को इतने वोट नहीं मिले थे, तो इस बार उत्तम जानकर को कम और राम सातपुते को ज्यादा वोट कैसे मिल सकते हैं। ग्रामीणों की यह आशंका मतपत्रों से चुनाव से दूर हो सकती थी और तब भी नतीजे अगर 23 तारीख को आए नतीजों की तरह रहते, तो ऐसे में चुनाव आयोग का दावा पुख्ता हो जाता कि ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं की गई। छोटी सी आबादी वाले एक गांव में मतपत्रों से चुनाव की एक छोटी सी कवायद पर अनावश्यक सख्ती दिखाकर चुनाव आयोग और भाजपा दोनों ने अपने चारों तरफ बन चुके संदेह के घेरे को और गाढ़ा कर लिया है। इधर महाराष्ट्र में जिस तरह सरकार बनाने में देरी हो रही है, उससे भी कई सवाल उपज रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान हो गया था, 23 तारीख को नतीजे आ गए और नतीजों में भाजपानीत महागठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हो गया है, इसके बावजूद अब तक सरकार गठन का काम लटका हुआ है। निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कभी हां, कभी ना और भाजपा की दबाव बनाकर सत्ता को मुठ्ठी में रखने की राजनीति ने महाराष्ट्र की जनता के भविष्य को अधर में लटका दिया है। 70 सालों में शायद ही ऐसा मौका किसी राज्य में आया होगा कि किसी दल या गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने के बावजूद सरकार गठित करने और मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करने में 10 दिन से ऊपर लग जाएं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो चुका है और अगर किसी की भी तरफ से सरकार बनाने का प्रस्ताव न जाए तो कायदे से राज्यपाल को स्वतरू कार्रवाई कर लेनी चाहिए। लेकिन महाराष्ट्र में कायदा भी शायद दिल्ली से और दिल्ली का ही चल रहा है, इसलिए महायुति की बैठक के लिए तारीख पर तारीख घोषित हो रही है और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक न कोई बैठक हुई, न कोई फैसला हुआ। 23 नवंबर को नतीजे आने के बाद 25 तारीख से दिल्ली और मुंबई के बीच महायुति के नेताओं के आने–जाने का सिलसिला शुरु हो गया। यह तय हो गया कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद के लिए फिर से मान गए हैं, लेकिन भाजपा ने यह स्पष्ट ही नहीं किया कि उसकी तरफ से देवेंद्र फड़नवीस का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए सामने आएगा या किसी अन्य को इस बार महाराष्ट्र की गद्दी सौंपी जाएगी। एकनाथ शिंदे अपनी कुर्सी छोड़ने के लिए तो राजी हो गए, लेकिन इसके बदले उन्हें क्या चाहिए, इस पर भी मामला अटका रहा। श्री शिंदे का सरकार गठन की चर्चा से दूर दो दिन तक अपने गांव जाकर बैठना और बार–बार बीमार पड़ना भी इस बात की तरफ इशारा करता है कि महायुति के बीच कोई बड़ी सौदेबाजी के अटके होने के कारण सरकार गठन का काम भी लटका हुआ है। हालांकि भाजपा ने 5 दिसंबर को आजाद मैदान में शपथ ग्रहण की तैयारी जोर शोर से शुरु कर दी है। जब भाजपा के पास संख्याबल कम था, तब उसने शिवसेना और राकांपा को तोड़कर सत्ता बना ली और अवैध तरीके से बनी सरकार को ढाई साल तक चला भी लिया, तो अब पूर्ण बहुमत पाने के बाद सरकार बनाना और चलाना उसके लिए कठिन नहीं होगा। लेकिन जिस तरह की परिपाटी महाराष्ट्र में भाजपा ने डाली है, उसमें लोकतंत्र के लिए हालात कितने कमजोर हो गए हैं, यह देखकर चिंता होती है। मुख्यमंत्री का नाम तय न करना, सरकार गठन के लिए राज्यपाल को पत्र सौंपे बिना शपथ ग्रहण का इंतजाम करना और ग्रामीणों की लोकतंत्र बचाने की शांतिपूर्ण मुहिम को कुचलना यह सब चुनाव प्रक्रिया का मजाक उड़ाने जैसा लग रहा है।

एक नए राजनैतिक नक्षत्र का उभार

अरविन्द मोहन

झारखंड के विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री चुन लिए जाने के बाद जब हेमंत सोरेन जब दिल्ली आकर अपने शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को देने आए तो कई लोगों को हैरानी हुई क्योंकि उनकी पिछली पारी में इसी जोड़ी ने उनका राज करना मुश्किल कर दिया था और आखिर में लंबी जेल भी काटने को मजबूर किया था। चुनावी लड़ाई में भी चंपई सोरेन और सीता सोरेन जैसे करीबी लोगों को तोड़कर भाजपा ने अपनी राजनैतिक लड़ाई को काफी हद तक सोरेन परिवार के खिलाफ निजी खुंदक जैसा बना लिया था। जो लोग हेमंत सोरेन और झारखंड के आम आदिवासियों का स्वभाव जानते थे उनके लिए यह न्यौता न तो महज औपचारिकता थी ना ही भाजपा के जले पर नामक छिड़कने की कोशिश। न ही इसमें यह जताने का भाव था कि आपने जितना परेशान किया मुझे आदिवासियों और झारखण्डियों का उतना ही पक्का समर्थन मिला। बताना न होगा कि मोदीजी और शाह की अनुपस्थिति के बिना भी हेमंत सोरेन का शपथ ग्रहण समारोह ग्रैंड था और उन्होंने चुनावी वायदों को पूरा करने का भरोसा दिया। हेमंत ने इस अवसर पर ही नहीं अपनी सरकार को गिराने की भाजपाई कोशिश के पूरे पांच साल के दौर में बहुत ही मैच्योर पॉलिटीशियन होने का प्रमाण दिया, जो उनके पिता शिबू सोरेन अर्थात गुरुजी समेत कोई आदिवासी नेता नहीं देता था। आम स्वभाव में अन्याय का तगड़ा प्रतिरोध करने वाला आदिवासी अक्सर ऐसी स्थितियों में काफी उग्र प्रतिक्रिया देता रहा है जबकि उसके नेता लोभ और दबाव में टूट जाते रहे हैं। यह बात देश भर पर लागू होती है लेकिन झारखंड पर खास तौर से। वहां नेता बार–बार श्बाइकश् हैं लेकिन जनता का बगावती तेवर मद्धिम नहीं पड़ा है। हेमंत ने इसी स्वभाव को पहचान कर उसे अपनी लड़ाई का मुख्य हथियार बनाया। उन्होंने झारखंड और आदिवासियों से भेदभाव का सवाल केन्द्रीय रखा और अपना दावा कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। और जब जेल जाने की स्थिति बनी तो सीधी टकराहट (जैसा दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल ने दिखाया) या अपने परिवार के किसी को कुर्सी सौंपने की जगह कोलहान टाइगर नाम से मशहूर चंपई सोरेन को गद्दी सौंप दी। जेल से छूटने के बाद उन्होंने गद्दी वापस ली तो भाजपा ने उसे भी मुद्दा बनाकर और कुछ लोभ देकर चंपई को अपने पक्ष में किया। माना जाता है कि अगर उनके निर्वाचन क्षेत्र में आदित्यपुर और गमरिया जैसे जमशेदपुर के शहरी हिस्से न होते तो उनको भी आदिवासी नकार चुके होते। चंपई हों या सीता सोरेन उनका व्यवहार पहले कांग्रेस या भाजपा या कहें सत्ता के प्रलोभनों और दबाव में टूटे अन्य आदिवासी नेताओं जैसा ही रहा। जबकि हेमंत ने तब भी दो पावर सेंटर न बनने देने की जबरदस्त व्यावहारिक सोच दिखाते हुए(कहा जाता है कि यह सुझाव सोनिया गांधी का था) मुख्यमंत्री की कुर्सी वापस ले ली। और देखा कि उन्होंने कितनी मुश्किल लड़ाई को किस आसानी से जीत लिया। शिवराज सिंह चौहान और हेमंत बिस्वा सरमा जैसों की महीनों की कवायद और भाजपा का सारा संसाधन धरा रह गया। घुसपैठ का मुद्दा बनाने के लिए भाजपा ने(जिसके असली सूत्रधार मोदी–शाह ही रहे) आखिरी दिन तक छापा, गिरफ्घ्तारी, कथित मनी–ट्रेल बनाने जैसी सारी तैयारियां पूरी कर ली थी, लेकिन कुछ काम न आया। बल्कि उसे अब तक आराम से मिलने वाला ओबीसी वोट भी इस बार पहले से कम हुआ और उसे सिर्फ शहरी और अगड़ा वोटरों का सहारा रह गया। आदिवासी वोट तोड़ने की सारी कवायद फेल हो गई और अंतिम समय अपनी पार्टी का विलय करके भाजपा अध्यक्ष बने बाबूलाल मारांडी को भूमिहार वोट के सहारे जीतना पड़ा। इसके लिए नाराज पूर्व सांसद रवींद्र राय को मनाना और बागी नित्यानंद राय को बैठाने में जोर लगाना पड़ा। उल्लेखनीय है कि भाजपा की तरफ से सिर्फ बाबूलाल मारांडी और चंपई सोरेन ही जीत पाए थे। हेमंत की सफलता दो को छोड़कर सारे आदिवासी ठिकानों से अपने अर्थात झामुमो और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जिताना नहीं है। उसे इनसे या अधिकांश आदिवासी वोट पाने भर से ठीक से समझा ही नहीं जा सकता। सारी रिजर्व सीटों पर तो भाजपा पिछली बार भी हारी थी। हेमंत का असली बड़ा काम है अलग–अलग कबीलों में अब तक बंटे रहे झारखंड के आदिवासी समाज को एकजुट करना। आपको याद होगा कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी शिबू सोरेन उरांव प्रभुत्व के तमाड़ इलाके में जाकर अनजान पीटर से हार गए थे। आदिवासियों की नई एकजुटता तो भाजपा द्वारा पहला गैर–आदिवासी मुख्यमंत्री(रघुवर दास) बनाने से ही शुरू हुई थी लेकिन उसे एक अंजाम तक लाना आसान न था। हेमंत ने यह काम किया और आज वे शिबू सोरेन समेत किसी भी आदिवासी नेता की तुलना में बड़ा और ज्यादा ताकतवर बन चुके हैं। इसलिए अब उनकी जवाबदेही ज्यादा बड़ी है–झारखंड के साथ मुल्क भर के आदिवासियों की आवाज बनाना और देश की राजनीति में आदिवासी स्वर को अधिक प्रमुख स्थान दिलाना। हेमंत ने अपना कौशल इंडिया गठबंधन के साथी दलों के दावों और उम्मीदवारों को संभालने में भी दिखाया। यह जरूर है कि राहुल गांधी ने उनको फ्री–हैंड दिया लेकिन झारखंड चुनाव अभियान लगभग पूरी तरह हेमंत के कंधों से ही चला। अगर कोई श्रेय में दावेदारी कर सकता है तो वह उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ही हैं जिन्होंने घटक दलों की पंचायत या सरकारी कामकाज भी निपटाने जैसे जिम्मों से मुक्त होकर हेमंत से भी ज्यादा चुनावी सभाएं कीं। वे अच्छा बोलती हैं तथा कार्यकर्ताओं और खास तौर से महिलाओं के बीच अच्छे व्यवहार से असर छोड़ती हैं। बिना किसी राजनैतिक प्रशिक्षण के एक बार में ऐसी भूमिका निभाकर उन्होंने सबको हैरान किया है। भाजपा ने चाहे जिस रणनीति से हेमंत को जेल भेजा हो पर उसने कल्पना न की थी कि इस संकट से कल्पना सोरेन जैसी नेता उभर कर आएंगी।

नकली भारतीय मुद्रा की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था के अस्थिर होने का खतरा

नन्तू बनर्जी

अह गंभीर चिंता का विषय है कि महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या 2018–19 और 2023–24 के बीच लगभग चार गुना, और 2020–21 से 2,000 रुपये के नकली नोटों की तीन गुना हो गयी है। ध्यान रहे कि 2,000 रुपये के नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं और इन्हें रिजर्व बैंक के कार्यालयों में बदला जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, मई 2023 में 2000 के मुद्रा नोटों को वापस लेने के कदम के बाद से इनमें से 98 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। लेकिन 500 और 200 रुपये के नकली नोटों का तेजी से बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय बन गया है। 500 रुपये के नोट रोजमर्रा के लेन–देन की रीढ़ बन गये हैं और पिछले कुछ सालों में इसके प्रचलन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों ही इस बात से चिंतित हैं। पिछले हफ्ते केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने देश में नकली नोटों के बढ़ते प्रचलन को लेकर लोकसभा में चिंता जताई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2018–19 में 2,18,650 लाख पीस नकली नोट पकड़े गये थे। 2022–23 में यह 9,11,100 लाख के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 2023–24 में थोड़ा कम होकर 8,57,110 लाख हो गया। यह 2018–19 में पकड़े गये2,18,650 लाख पीस से काफी अधिक है। हालांकि, पकड़े नहीं गये नकली नोटों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है। आमतौर पर ये ग्रामीण या अर्ध–शहरी बाजारों में प्रचलन में होते हैं। संचालक और ग्राहक पहचान से बचने के लिए बैंकों से बचते हैं। नकली भारतीय मुद्रा नोटों का उपयोग मुख्य रूप से देश की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने और आर्थिक आतंक पैदा करने के लिए आतंकवादी गतिविधियों में किया जाता है। माना जाता है कि पश्चिम बंगाल और असम की सीमाएं बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल से नकली भारतीय मुद्रा के प्रमुख प्रवेश बिंदु हैं। कहा जाता है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों ही देश के पूर्वी हिस्से में नकली भारतीय मुद्रा भेजने के लिए नेपाल का उपयोग कर रहे हैं। हाल ही में, पुलिस द्वारा नकली मुद्रा संचालन पर एक बड़ी कार्रवाई में, असम के गोलाघाट शहर के गुलाम पट्टी क्षेत्र से चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अत्याधुनिक मुद्रा मुद्रण उपकरण और विभिन्न मूल्यवर्ग के नकली नोट जब्त किये और प्रमुख संचालकों के रूप में ब्रांडेड दुदु अली और राजीबुद्दीन अहमद सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि, सरगना गिरफ्तारी से बचे रहने में कामयाब रहे।हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के एक अनुमान से पता चला है कि देश में जब्त किये गये कुल नकली नोटों का लगभग 80 प्रतिशत मालदा, मुर्शिदाबाद और नादिया के तीन भारत–बांग्लादेश सीमावर्ती जिलों से आता है। इन तीन जिलों से भेजी जाने वाली नकली नोटों की सबसे ज्यादा मात्रा मालदा से आती है। बांग्लादेश न सिर्फ नकली भारतीय नोटों के लिए एक अहम जरिया है, बल्कि वहां नकली नोट भी छापे जा रहे हैं। बांग्लादेश की सीमा से लगे पश्चिम बंगाल के इन तीन मुस्लिम बहुल जिलों के जरिये इन्हें देश में भेजा जाता है। इन जिलों के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में ठेके पर मजदूरी करके अपनी आजीविका चलाता है। कहा जाता है कि उनमें से कई बांग्लादेश के जरिये तस्करी करके लाये गये नकली भारतीय नोटों के कूरियर के तौर पर इस्तेमाल किये जाते हैं। हाल ही में, बांग्लादेश में नकली भारतीय नोटों की आपूर्ति और वितरण नेटवर्क काफी बढ़ गया है। हाल ही में सीमा के जरिये भारत में जाली भारतीय मुद्रा के अवैध प्रेषण में तेजी आई है, जो चिंता का विषय बन गया है। कुछ समय पहले ही ढाका में पुलिस ने बड़ी संख्या में जाली भारतीय मुद्रा नोटों से भरी बोरियां जब्त की थीं। ढाका में स्थानीय मीडिया ने बांग्लादेश पुलिस के हवाले से कहा कि पाकिस्तान में लाहौर स्थित एक सिंडिकेट ऐसे जाली नोट छापता है, जिन्हें फिर संगमरमर के पत्थरों से भरे कंटेनरों में श्रीलंका के जरिये बांग्लादेश ले जाया जाता है। भारत में तस्करी से पहले सिंडिकेट के सदस्यों के घरों में विशेष कक्षोंय में खेप छिपाई जाती है। बांग्लादेश में जाली भारतीय मुद्रा नोटों के उछाल का पता भारतीय पुलिस ने एक जांच के बाद लगाया था। यह पाया गया कि उन अवैध मुद्रा नोटों को पाकिस्तान में छापा गया था और फिर उन्हें नेपाल और बांग्लादेश की सीमा के जरिए या दुबई, बैंकॉक, हांगकांग और कोलंबो को जोड़ने वाले दूसरे मार्गों से अवैध रूप से भारत में आयात किया गया था। पाकिस्तान और बांग्लादेश जाली भारतीय मुद्रा नोटों के दो प्रमुख उत्पादक और वितरक हैं। इसका लक्ष्य आतंकवाद को फंड देना, भारत में मुद्रास्फीति दर बढ़ाना और मुद्रा में विश्वास को कम करना है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) के अनुसार, जालसाजी वित्तीय साधनों से भूमिगत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है और संगठित आपराधिक तथा आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। जाली मुद्रा की मात्रा का सही आकलन करने के लिए पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) माप का उपयोग किया जाता है। नकली मुद्राएं वैश्विक समस्या उत्पन्न करती हैं। यू.एस. डॉलर को दुनिया की सबसे ज्यादा जाली मुद्रा कहा जाता है। कुछ नकली यू.एस. डॉलर बहुत उच्च गुणवत्ता के बताये जाते हैं। धोखेबाज उन्हें वैध मुद्रा के रूप में बेचने की कोशिश करते हैं, या उनका उपयोग ऋण या क्रेडिट लाइन प्राप्त करने के लिए करते हैं। 2002 में मुद्रा लॉन्च होने के बाद से दूसरा सबसे लोकप्रिय नकली बैंक नोट यूरो है। हालांकि, दुनिया के कई हिस्सों में केंद्रीय बैंक नवीनतम तकनीक का उपयोग करके नकली–प्रूफ मुद्राएं बनाने के लिए काम कर रहे हैं, जिसमें ऐसी विशेषताएं हैं जिनके नकली बनाना मुश्किल है। ऐसी विशेषताओं में बिलों पर उभरी हुई इंटाग्लियो प्रिंटिंग, सीरियल नंबर, वॉटरमार्क और सुरक्षा धागे और सिक्कों पर मिल्ड या पीछे हटने वाले किनारे शामिल हैं। प्रशिक्षित आंखों के लिए, नकली भारतीय मुद्रा नोटों की पहचान करना बहुत मुश्किल नहीं है। असली भारतीय मुद्रा नोटों में नोट में एक सुरक्षा धागा लगा होता है। जांच करने के लिए, किसी को लेबल को पारदर्शी रखना होगा और उसे थोड़ा घुमाना होगा। हालांकि, स्मार्ट करेंसी जालसाजों के भी नवीनतम तकनीक तक पहुंच हैं। यह केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली के सामने एक बड़ी समस्या खड़ी कर रहा है। धोखाधड़ी करने वाले समूह या व्यक्ति दुनिया भर में नकली बैंक नोट और अन्य वित्तीय साधनों के लिए उभरती हुई तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। दुनिया के सबसे ज्यादा नकली नोटों में शामिल हैंरू अमेरिकी डॉलर, ब्रिटिश पाउंड, यूरो, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, फिलीपीनपेसो, कनाडाई डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, न्यूजीलैंड डॉलर और मलेशियाईरिंगिट। संयोग से, ये सभी परिवर्तनीय मुद्राएं हैं। दूसरी ओर, भारतीय रुपया केवल आंशिक रूप से परिवर्तनीय है। जबकि इसे वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के लिए स्वतंत्र रूप से विदेशी मुद्रा में और इसके विपरीत परिवर्तित किया जा सकता है, यह पूंजी खाते में पूरी तरह से परिवर्तनीय नहीं है जिसका अर्थ है कि इसे केवल सीमित कारणों से विदेशी मुद्राओं में और इसके विपरीत बदला जा सकता है। इस प्रकार, नकली भारतीय मुद्रा ज्यादातर भारतीयों की समस्या बनी हुई है।

तापसी पन्नू ने शाहरुख खान से सीखा सबसे बड़ा मार्केटिंग लेसन

"शाहरुख खान की यह सीख उनकी कई परेशानियों का हल बन गई। तापसी ने बताया कि शाहरुख खान ने उन्हें यह समझाया था कि कैसे एक एक्टर को अपनी मार्केटिंग और प्रमोशन के तरीके को सही तरह से देखना चाहिए। तापसी ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और एक्टर के बीच की तुलना पर भी अपनी राय दी।

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने अपनी एक्टिंग और बेबाक अंदाज के कारण इंडस्ट्री में एक खास पहचान बनाई है। वह अक्सर अपने बिंदास स्टेटमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में, तापसी ने शाहरुख खान को लेकर एक बड़ी बात कही, जिससे उनके फैंस भी हैरान हो गए। तापसी ने खुलासा किया कि अगर उन्होंने अपनी लाइफ में सबसे बड़ा मार्केटिंग लेसन किसी से सीखा है, तो वह शाहरुख खान से ही लिया है। शाहरुख खान की यह सीख उनकी कई परेशानियों का हल बन गई। तापसी ने बताया कि शाहरुख खान ने उन्हें यह समझाया था कि कैसे एक एक्टर को अपनी मार्केटिंग और प्रमोशन के तरीके को सही तरह से देखना चाहिए। तापसी ने सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और एक्टर के बीच की तुलना पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स और एक्टर्स की तुलना करते हैं। उनका नजरिया अब सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के बारे में बदल चुका है। वह अब उन्हें सिर्फ एक मार्केटिंग टूल या प्रमोशन का माध्यम मानती हैं, क्योंकि आखिरकार यह सोचने की बात है कि कोई चीज किस तरह से देखी जाती है। तापसी ने कहा, आप इसे किसी दूसरे नजरिए से देखते हैं, और मैं इसे अलग तरीके से देखती हूं। वह मानती हैं कि एक्टर्स पर ज्यादा जिम्मेदारी होती है, क्योंकि उन पर हमेशा यह दबाव होता है कि वे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। लोग जानते हैं कि उनके पास बड़ी फैन फॉलोइंग है, इसलिए उन्हें अपने कदम बहुत सोच–समझ कर उठाने पड़ते हैं। लेकिन क्या सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स पर ये सारी जिम्मेदारियां नहीं आ सकतीं, जिनकी भी सोशल मीडिया पर अच्छी फॉलोइंग है? तापसी के अनुसार, कम से कम इंफ्लूंसर्स अपने फॉलोअर्स से सच्चे और ईमानदार रह सकते हैं। तापसी ने बताया कि शाहरुख खान ने उनसे कहा था कि पहले के समय में बिलबोर्ड्स का इस्तेमाल फिल्मों की मार्केटिंग के लिए किया जाता था, लेकिन अब सोशल मीडिया और इंफ्लूएंसर्स का उपयोग फिल्मों के प्रमोशन के लिए किया जाता है। शाहरुख ने कहा, इन्हें सिर्फ एक मार्केटिंग टूल की तरह देखो, जिनका काम फिल्म को प्रमोट करना है। इन पर कोई जिम्मेदारी मत डालो, क्योंकि ये वही काम कर रहे हैं जो मार्केट में बेचने के लिए तैयार है। तापसी के हालिया प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो उन्हें हाल ही में अक्षय कुमार के साथ 'खेल खेल में' फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म में तापसी पंजाबी एक्टर और सिंगर एमी वर्क के साथ नजर आई थीं। इसके बाद, वह 'हसीन दिलरुबा' फिल्म के सीक्वल 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में विक्रांत मैसी और सनी कौशल के साथ नजर आने वाली हैं। तापसी का यह बयान और उनके द्वारा शाहरुख खान से सीखा गया लेसन उनके प्रोफेशनलिज्म और सोशल मीडिया के प्रति सकारात्मक नजरिए को दिखाता है, जो आजकल की फिल्म इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण दिशा दिखाता है।

दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान को पछाड़कर तृप्ति डिमरी बनीं 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय स्टार

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान सहित इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े नामों को पीछे छोड़ते हुए ष्डक्ड की 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय स्टार की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि डिमरी की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल में काम करने के बाद तृप्ति डिमरी की लोकप्रियता आसमान छू गई। उन्होंने इस साल तीन फिल्मों में काम किया, बैड न्यूज़, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और भूल भुलैया 3। अपने प्रशंसकों का धन्यवाद करते हुए, तृप्ति डिमरी ने एक बयान में कहा, ष्डक्ड की 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की सूची में नंबर 1 स्थान पर आना वास्तव में एक बहुत बड़ा सम्मान है। यह मान्यता मेरे प्रशंसकों के अविश्वसनीय समर्थन और उन सभी की कड़ी मेहनत का प्रमाण है जिनके साथ मुझे सहयोग करने का सौभाग्य मिला है। रोमांचक परियोजनाओं पर काम करने से लेकर भूल भुलैया 3 के साथ 2024 को समेटने तक, यह मेरे लिए एक यादगार साल रहा है। मैं इस प्रेरक उद्योग का हिस्सा बने रहने के साथ आगे क्या होता है, इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। जहां त्रिप्ति ने शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं हाल ही में मां बनीं दीपिका पादुकोण सूची में दूसरे स्थान पर रहीं। इस साल उनकी तीन बड़ी फ़िल्में रिलीज़ हुईं फ़ाइटर, सिंघम अगेन और कल्कि 2898 ।क्, जो उनकी तेलुगु फ़िल्मों में पहली फ़िल्म थी। नेटफ्लिक्स सीरीज़ द परफेक्ट कपल में निकोल किडमैन के साथ अभिनय करने वाले ईशान खट्टर, ष्डक्ड के 2024 के सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। इस बीच, शाहरुख खान, जिनकी इस साल कोई फ़िल्म रिलीज़ नहीं हुई, ने चौथा स्थान हासिल किया। इस साल मंकी मैन के साथ हॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली सोभिता धुलिपाला ने ष्डक्ड के 2024 के सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की सूची में पाँचवाँ स्थान हासिल किया। जबकि उन्होंने कल्कि 2898 AD के लिए तेलुगु में दीपिका पादुकोण के लिए डबिंग भी की, तेलुगु अभिनेता नागा चैतन्य के साथ उनकी सगाई ने भी सभी का ध्यान खींचा।

IMDb के 2024 के शीर्ष 10 सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारे

- तृप्ति डिमरी
- दीपिका पादुकोण
- ईशान खट्टर
- शाहरुख खान
- सोभिता धुलिपाला
- शरवरी
- ऐश्वर्या राय बच्चन
- सामंथा
- आलिया भट्ट
- प्रभास

नए मिशन पर अजय देवगन, 'रेड 2' की रिलीज डेट आई सामने

शैतान' के बाद वर्सेटाइल अभिनेता अजय देवगन नए मिशन पर निकलने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर 'रेड 2' का नया पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट अनाउंस की। इंस्टाग्राम पर 'रेड 2' का पोस्टर शेयर कर अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा, "अमय पटनायक का अगला मिशन मई 2025 से शुरू होगा! रेड 2 1 मई 2025 को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है!" मोस्टअवेटेड फिल्म 'रेड 2' की रिलीज को लेकर लेटेस्ट पोस्टर ने फैंस को एक्साइट कर दिया है। जानकारी के अनुसार अपकमिंग फिल्म में अजय देवगन के साथ रितेश देशमुख, वाणी कपूर, सौरभ शुक्ला, वरुण शर्मा, अरबाज खान के साथ अन्य स्टार्स अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन करने के लिए राज कुमार गुप्ता तैयार हैं। फिल्म की कहानी राज कुमार गुप्ता के साथ आदित्य बेलनेकर, रितेश शाह ने लिखी है। रितेश शाह पिंक और एयरलिफ्ट की कहानी भी लिख चुके हैं। रेड 2' साल 2018 में रिलीज हुई क्राइम–थ्रिलर 'रेड' की सीक्वल है। फिल्म 'रेड' का निर्देशन भी राजकुमार गुप्ता ने किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। फिल्म में अजय देवगन के साथ इलियाना डीक्रूज, सानंद वर्मा और सौरभ शुक्ला अहम रोल में थे। फिल्म में अजय देवगन एक इनकम टैक्स ऑफिसर की भूमिका में थे, जिसका नाम अमय पटनायक रहता है। वहीं, सौरभ शुक्ला 'ताउजी' की भूमिका में रहते हैं। इनकम टैक्स रेड पर बनी फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला का सामंथा के फैंस का कमेंट, बोली- 'शादी नहीं चलेगी'

शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य ने 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी की शपथ ली। शादी की कई झलकियाँ ऑनलाइन सामने आई हैं, और कई लोगों ने जोड़े को आशीर्वाद दिया है और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ दी हैं। नवविवाहित जोड़े का एक वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें नागा चैतन्य को शोभिता के गले में मंगलसूत्र बाँधते हुए देखा गया। समारोह के दौरान अभिनेत्री की आँखों में आँसू आ गए, और यह काफी प्यारा दृश्य था, लेकिन कुछ नेटिज़न्स इस जोड़ी की शादी से बिल्कुल भी खुश नहीं थे और उन्होंने उन्हें हर जगह खरी–खोटी सुनाई। जिन्हें नहीं पता, नागा चैतन्य की शादी पहले सामंथा से हुई थी, और दोनों ने अपनी चौथी सालगिरह से ठीक चार दिन पहले अलग होने की घोषणा की। और इस खबर ने उनके प्रशंसकों को चौंका दिया। तब से, चैतन्य ने तलाक के बारे में ज़्यादातर चुप्पी साध रखी है, जबकि सामंथा ने खुलासा किया है कि यह कड़वा था और सौहार्दपूर्ण नहीं था।

नेटिज़ेंस ने नागा चैतन्य की सोभिता धुलिपाला के साथ दूसरी शादी की आलोचना की

सोशल मीडिया पर नागा चैतन्य का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह सोभिता के गले में मंगलसूत्र बांध रहे हैं। अभिनेत्री ने चाय के साथ अपनी हमेशा की यात्रा शुरू करते हुए खुशी के आंसू बहाए। हालांकि, प्रशंसक इस विवाह से खुश नहीं हैं। वीडियो के कमेंट सेक्शन में एक प्रशंसक ने लिखा, "उनकी शादी भी लंबे समय तक नहीं चलेगी।" जबकि एक अन्य ने लिखा, "क्या फ़ायदा रस्मों का जब तलाक आसानी से हो जाता है उसे करो फ़ैनको टाइप होग्या है आजकल।" एक अन्य नेटिज़ेंस ने टिप्पणी की, "क्या वह रो रही है लोल।"

सामंथा रूथ प्रभु के प्रशंसकों ने नागा चौतन्य की इतनी आसानी से आगे बढ़ने के लिए आलोचना की

सामंथा नागा चौतन्य से अलग होने के बाद काफ़ी प्रभावित हुई थीं, और लोगों ने देखा कि कैसे तलाक के बाद उन्होंने अपना जीवंत व्यक्तित्व खो दिया। आज तक उनके प्रशंसक, सामंथा को दुख पहुंचाने के लिए चौतन्य को दोषी मानते हैं। उसी वीडियो के कमेंट सेक्शन में, प्रशंसकों ने चैय को इतनी आसानी से आगे बढ़ने और ऐसा व्यवहार करने के लिए फटकार लगाई जैसे सामंथा कभी अस्तित्व में ही नहीं थी। एक उपयोगकर्ता ने लिखा, सामंथा के लिए बुरा लग रहा है। जबकि एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, जब आप सचमुच किसी दूसरी महिला के आंसुओं पर अपना घर बनाते हैं तो आप इतने खुश कैसे हो सकते हैं, यह कुछ ऐसा है जिसे मैं कभी नहीं समझ पाऊंगा। सामंथा सचमुच अकेली थी जब उसे उसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी। वह अपनी बीमारी से अकेले ही गुजरी और अब उसके पिता नहीं रहे। इस महिला को ठीक होने का समय भी नहीं मिला। सामंथा के एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, "लोग कैसे आगे बढ़ जाते हैं, सचमुच उसने सामंथा के साथ भी वही परंपराएँ निभाईं... हम महसूस कर सकते हैं, उसने ऐसा नहीं किया।"

आप सबसे मजबूत महिला...मम्मी संग प्रीति जिंटा ने बिताया क्वालिटी टाइम

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी परिवार संग बिताए लम्हों को शेयर करती रहती हैं। हाल ही में प्रीति जिंटा ने निलप्रभा जिंटा के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की। दरअसल,प्रीति जिंटा को थैंक्सगिविंग वीकेंड पर अपनी मां नीलप्रभा जिंटा से फिर से मिलने का अवसर मिला।इस खास मौके पर उन्हें अपनी छोटी यात्राओं की बिजी होने के बावजूद एक साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिला। प्रीति अपने बिजी शेड्यूल से कुछ पल के लिए बाहर निकल पाई और अपने परिवार के साथ मिलकर सुकून और खुशी पाई। इन तस्वीरों के साथ प्रीति ने मां को बर्थडे की बधाई भी दी। एक तस्वीर में प्रीति को मां के गालों पर प्यार करते देखा जा सकता है। इन तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने लिखा–दुनिया भर में छोटी यात्राएँ बहुत व्यस्त और तनावपूर्ण होती हैं। इस थैंक्सगिविंग वीकेंड ने मुझे एहसास दिलाया कि असली दौलत तब होती है जब आपके पास परिवार होता है जो आप सच में प्यार करते हैं। मैं सबसे अच्छी माँ और सबसे अच्छे परिवार के लिए ग्लैक्सी की बहुत आभारी हूं। जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएं मां। आप सबसे मजबूत महिला हैं जिन्हें मैं जानती हूं और सबसे प्यारी हैं।

केला उबालें और रात में पिएं इसका पानी, फिर सुबह देखें चमत्कार!

यह तो हम सभी जानते हैं कि केले को रोजाना डाइट में शामिल करने से कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं। पर क्या आपने कभी केले को उबालकर खाने का सोचा है, अगर नहीं तो अब सोच लेना चाहिए। केला और उसका पानी पोषण से भरपूर होते हैं, और इसे रात को साने से पहले पीने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं। यह नुस्खा विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नींद से संबंधित समस्याओं, पाचन, या तनाव से जूझ रहे हैं। आइए इसके फायदे और इसके उपयोग के बारे में जानते हैं।

उबले केले के पानी के फायदे

बेहतर नींद के लिए फायदेमंदः केले में मौजूद मैग्नीशियम और पोटैशियम मांसपेशियों को आराम देते हैं और बेहतर नींद में मदद करते हैं। यह शरीर में मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ाकर नींद की गुणवत्ता को सुधारता है।

पाचन को बेहतर बनाता हैः केले का पानी पाचन तंत्र को शांत करता है और कब्ज को दूर करने में मदद करता है। फाइबर युक्त यह पेय आंतों की सेहत में सुधार करता है।

तनाव और चिंता कम करता हैः केले में मौजूद ट्रिप्टोफैन एक अमीनो एसिड है, जो सेरोटोनिन (खुशी का हार्मोन) का उत्पादन बढ़ाता है। यह मानसिक तनाव को कम करके मूड को बेहतर करता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता हैः पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित करने और दिल की सेहत में सुधार करने में सहायक है।

इम्यूनिटी को मजबूत करता हैः केले में विटामिन बी6 और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा की सेहत में सुधारः केले का पानी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो त्वचा को चमकदार और हेल्दी बनाता है।

उबले केले का पानी बनाने की विधि

– एक पके हुए केले को धोकर छिलके के साथ टुकड़ों में काट लें।

–एक पैन में पानी लें और उसमें कटे केले डालें।

–इसे 10–15 मिनट तक उबालें।

–पानी को छान लें और इसे हल्का ठंडा होने दें।

–स्वाद के लिए शहद या दालचीनी मिला सकते हैं।

नियमित रूप से उपयोग करने के सुझाव

रात को सोने से 30 मिनट पहले इस पानी का सेवन करें। अधिकतम लाभ पाने के लिए इसे रोजाना पीने की आदत बनाएं। यदि आप किसी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, तो इसे पीने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। उबले केले का पानी स्वास्थ्य के लिए एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय है। यह नींद में सुधार, तनाव को कम करने, और पाचन तंत्र को मजबूत करने में सहायक है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप बेहतर स्वास्थ्य पा सकते हैं।

सर्दियों में फटे होठों को हील करें, लिप्स को सॉफ्ट बनाने के लिए Vitamin E कैप्सूल आएगा काम

सर्दियों में ठंड का असर सबसे चेहरे पर प्रभावित होता है। लिप्स सबसे पहले प्रभाव पड़ता है। जिससे सर्दियों में होठ जल्दी फटने लगते है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में फटे हुए होठों को कैसे ठीक किया जाता है।

विंटर सीजन में फटे होठों की समस्या काफी बढ़ने लगती है। जिससे काफी परेशानी तो बढ़ जाती है, वही चेहरे की सुंदरता को भी काफी प्रभाव पड़ने लगता है। होठों की त्वचा बेहद ही पतली और नाजुक होती है और ऐसे में ठंडी हवा और कम आर्द्रता के कारण होठो से नमी कम होने लगती है। ऐसे में आप अपने होठों को देखभाल के लिए विटामिन ई कैप्सूल को एड कर सकते हैं।

जानें सर्दियों में फटे हुए होठों को कैसे ठीक करें

विटामिन ई और शहद

सर्दियों में होंठों की देखभाल करने के लिए आप विटामिन ई कैप्सूल को शहद के साथ मिलाकर होंठों पर लगाने से नमी बनी रहेगी और त्वचा भी हाइड्रेट रहेगी। इसके इस्तेमाल के लिए आप विटामिन ई कैप्सूल से तेल निकालें और एक चम्मच शहद में इसे मिलाकर अच्छे से मिला लें। फिर आप होंठों पर लगाएं और इसे 15–20 मिनट तक छोड़ दें और समय पूरा होने पर पानी से साफ कर लें। इससे आपके होंठों को नमी प्रदान करता है।

विटामिन ई कैप्सूल और नारियल का तेल

नारियल तेल और विटामिन ई का मिश्रण त्वचा की नमी बनाए रखता है। अपने फटे होठों को जल्दी ठीक करने के लिए मदद करता है। नारियल तेल में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा को हेल्दी बनाए रखता है। विटामिन कैप्सूल का तेल निकालें और इसे एक चम्मच नारियल तेल में मिलाकर अच्छे से मिक्स कर सकते हैं। इसको आप रात को लगा सकते हैं फिर देखें चमत्कार।

विटामिन ई और ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल और विटामिन ई कैप्सूल को एक साथ मिलाकर होंठों पर लगाने से त्वचा में नमी बनीं रहती है। ऑलिव ऑयल में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा तो हाइड्रेटेड और हेल्दी रखते हैं। विटामिन ई कैप्सूल का तेल निकालकर और इसे आप ऑलिव ऑयल के साथ मिलाकर , इस मिश्रण को दिन में दो बार होंठों पर जरुर लगाएं। इससे आपके होठ नरम रहेंगे और त्वचा भी हाइड्रेट रहेगी।

वेट लॉस से लेकर हॉर्ट हेल्थ तक के लिए फायदेमंद है 'सस्ता बादाम', कमजोर शरीर में भर जाएगी जान

सर्दियों का मौसम आते ही हर घर में मूंगफली आती है। कुछ लोग इसको टाइम पास भी कहते हैं, तो वहीं कुछ लोग सर्दियों में धूप सेंकते हुए या फिर मूड को ठीक करने के लिए खाते हैं। सर्दियों में लोग बादाम से ज्यादा मूंगफली खाना अधिक पसंद करते हैं। अगर आपको भी बैठे–बैठे मूंगफली छीलकर खाना खाली टाइम पास लगता है, तो बता दें कि मूंगफली हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदा पहुंचाती है। क्योंकि मूंगफली गुणों की खान है। मूंगफली वेट लॉस से लेकर हॉर्ट हेल्थ तक के लिए फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मूंगफली किस तरह से हमारी सेहत के लिए लाभकारी होती है।

मुंगफली के फायदे

मूंगफली खाने के वैसे तो बहुत फायदे होते हैं। यही कारण है कि इसको सस्ता बादाम भी कहा जाता है। मूंगफली में बहुत सारे पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, सेलेनियम, कॉपर और आयरन जैसे गुण पाए जाते हैं।

सर्दियों में भी मूंगफली खाने के अपने फायदे होते हैं और इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है।

अगर आप भी शरीर के आढ़ी–टेढ़ी मसल्स से परेशान हैं, जो आपके लुक को खराब कर रहे हैं तो आपको रोजाना भीगी हुई मूंगफली खानी चाहिए। भीगी हुई मूंगफली खाने से धीरे–धीरे मसल्स टोंड होंगी। क्योंकि मूंगफली कैल्शियम, आयरन, नियासिन, फोलेट और जिंक का भी अच्छा सोर्स माना जाता है।

अगर सर्दियों में आपके कमर और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। तो मूंगफली आपको आराम दिला सकती है। इससे आराम पाने के लिए भीगी हुई मूंगफली को थोड़े गुड़ के साथ खाएं। क्योंकि इसमें कैल्शियम और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। मूंगफली का सेवन करने से हड्डियां मजबूत बनती हैं।

मूंगफली में विटामिन ई, के और बी6 पाया जाता है। यह सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

इसके साथ ही मूंगफली में ओमेगा 6 पाया जाता है, यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है।

मूंगफली का सेवन करने से शरीर में गर्मी और एनर्जी आती है। इसलिए इसको श्गरीबों का बादामश कहा जाता है। जो फायदा आपको बादाम के सेवन मिलता है, वही फायदा मूंगफली से भी मिलता है। इसका नियमित सेवन खांसी में भी राहत दिलाता है। इसको खाने से पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत देता है।

मूंगफली में फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। जो पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता है। साथ ही मूंगफली खाने से कब्ज जैसी समस्याओं से भी निजात दिलाने में सहायक होता है।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए मूंगफली काफी फायदेमंद होती है और यह बच्चे के विकास में भी अच्छा माना जाता है।

मूंगफली के सेवन से दिल के रोगों के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

मूंगफली खाने से शरीर में गर्माहट आती है, जिसकी वजह से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और दिल भी स्वस्थ रहता है। मूंगफली खाने से हार्ट अटैक या दिल संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

इस साल इन फेमस डिशेज ने जीता लोगों का दिल, आप भी करें ट्राई

हर साल हमने फूड ट्रेंड्स को बदलते देखा है। अक्सर नई–नई रेसिपीज हमें लुभाती हैं। तो वहीं कई बार पुरानी रेसिपीज के फ्यूजन भी कमाल के होते हैं। ठीक इसी तरह साल 2024 में पाक कला की दुनिया ने पारंपरिक स्वाद और फ्यूजन व्यंजनों का एक बेहद रोमांचक मिश्रण देखने को मिला। कुछ डिशेज टॉप पर रहीं, तो कुछ फूड्स बेहद पॉपुलर हुए। अब नए साल में फूड इंडस्ट्री हम सभी को कैसे सरप्राइज करती है, यह देखना काफी दिलचस्प होगा। अगर आप भी हर बार कुछ नया खाना ट्राई करना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस साल के पॉपुलर फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

वड़ा पाव

वड़ा पाव महाराष्ट्र की शान है। इसको शुरू करने वाले इंसान ने क्या कभी सोचा होगा कि एक दिन यह डिश ग्लोबली पसंद की जाएगी। महाराष्ट्र की इस फेमस डिश ने अपनी पहचान टेस्ट एटलस की लिस्ट में भी शामिल की थी। मार्च में जारी बेस्ट सैंडविच की टॉप 20 लिस्ट में वड़ा पाव को 19वां रैंक मिला था।

बटर चिकन बाओ

बटर चिकन बाओ ने लोगों को काफी इंप्रेस किया। चीनी बाओ और भारतीय बटर चिकन की यह जुगलबंदी लोगों को खूब पसंद आई। साल 2024 में इस डिश को आपने भी कई मेन्यू लिस्ट में देखा होगा। मलाईदार मसालेदार चिकन को फूले हुए बाओ बन्स भरने के बाद जो कॉम्बिनेशन बनकर तैयार हुआ वह हिट रहा। दही और मसालों में मैरीनेट चिकन को टमाटर और काजू वाली ग्रेवी को पकाकर मीठे स्टीम्ड बाओ बन्स में भरकर परोसा जाता है।

मलाई कुल्फी आइसक्रीम सैंडविच

कुल्फी और आइसक्रीम दो अलग–अलग चीजें हैं। तो वहीं सैंडविच एक स्नैक है। लेकिन क्या किसी ने सोचा था कि इस सब चीजों को मिलाकर नई डिश बनाई जा सकती है। पिछले कुछ महीनों में इस फ्यूजन ने बड़ा बज क्रिएट किया। लोगों को यह एक्सपेरिमेंट काफी पसंद आया। तो कुछ ने इसे बकवास भी बताया। वॉफल सैंडविच के साथ पारंपरिक मलाई कुल्फी को मॉडर्न डेजर्ट में बदला गया। वॉफल के बीच मलाई कुल्फी के स्लाइस और ऊपर से चॉकलेट सिरप डालकर इसको सर्व किया जाता है।

मैंगो लस्सी

जुलाई महीने टेस्ट एटलस ने फिर से बेस्ट और वर्स्ड फूड की लिस्ट जारी की थी। जिसमें मैंगो लस्सी ने पहला स्थान पाया था। भारतीय लोगों को आम तो बहुत पसंद है। साथ ही गर्मियों में धूप से राहत देने वाली लस्सी भी समर ड्रिंक में टॉप पर है। दोनों के कॉम्बिनेशन का स्वाद लोगों को पसंद आता है। यही वजह है कि आम से बनी यह ड्रिंक बेस्ट इंडियन फूड का खिताब अपने नाम करने में सफल रही।

सुशी समोसा

यह एक जापानी डिश है, जिसको फिश, स्टिकी राइस, सीवीड और सोया सॉस से बनाया जाता है। समोसा भारतीय डिश है और इसमें आलू की फिलिंग होती है। लेकिन क्या आपने दोनों के कॉम्बिनेशन के बारे में सुना है। अगर नहीं, तो बता दें कि साल 2024 में यह एक्सपेरिमेंट भी किया गया है। जिसमें सुशी समोसा बनाया गया। इसमें एवोकाडो, स्टिकी राइस और वेज सब्जियों और नॉन–वेज सामग्री से फिलिंग की गई। यह पुदीना की चटनी के साथ नहीं बल्कि सोया या फिर वसाबी मेयो के साथ खाया जाता है।

पिस्ता तिरामिसू

यह एक इटैलियन डिश है, इसमें मस्करपोन की जगह पिस्ता क्रीम के साथ नट ट्विस्ट दिया गया। नटी फ्लेवर वाला तिरामिसू केक अगर आपने अभी तक नहीं खाया है। तो आपको एक बार इसे जरूर ट्राई करना चाहिए। इस कॉम्बिनेशन में दो अलग देशों की डेजर्ट्स को मिलाकर एक बेहद कमाल की डिश तैयार की जा सकती हैं। बहुत सारे लोगों को यह फ्यूजन पसंद आया और इस नए टेस्ट ने लोगों के दिलों में जगह बनाई।

हैदराबादी बिरयानी

बता दें कि चिकन बिरयानी से बढ़िया मील शायद ही कुछ हो। नॉनवेज खाने वाले लोगों के लिए यह स्टेपल है। चिकन और चावल से तैयार इस डिश को आप लंच या डिनर दोनों में खा सकते हैं। इसका अलग–अलग वर्जन भी लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन ऑथेंटिक हैदराबादी बिरयानी टक्कर देना थोड़ा सा मुश्किल है। टेस्ट एटलस ने अपने टॉप फूड की लिस्ट हैदराबादी बिरयानी को नंबर 6 में शामिल किया था। रायता और सालन के साथ इस बिरयानी को अपना ही मजा होता है।

संक्षिप्त

वोडाफोन कर्ज चुकाने के लिए इंडस टावर्स में तीन प्रतिशत हिस्सेदारी 2,841 करोड़ रुपये में बेचेगी

नयी दिल्ली,एजेंसी। ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन 10.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 856 करोड़ रुपये) का कर्ज चुकाने के लिए इंडस टावर्स में अपनी तीन प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। वोडाफोन कर्ज चुकाने के बाद बची हुई राशि का इस्तेमाल अपने भारतीय उद्यम वोडाफोन आइडिया का बकाया चुकाने के लिए करेगी। बीएसई में बुधवार को इंडस टावर्स का शेयर 358.75 रुपये के भाव पर बंद हुआ। इस आधार पर उक्त सौदे का मूल्य करीब 2,841 करोड़ रुपये है। वोडाफोन ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, वोडाफोन ग्रुप पीएलसी ने घोषणा की है कि उसने... इंडस टावर्स लिमिटेड में अपने बाकी 7.92 करोड़ शेयर की पेशकश की है, जो इंडस की कुल शेयर पूंजी का तीन प्रतिशत है। जून में वोडाफोन ने इंडस टावर्स में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 15,300 करोड़ रुपये में बेची थी। ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी ने कहा, पेशकश से मिली आय का इस्तेमाल सबसे पहले वोडाफोन के मौजूदा ऋणदाताओं को 10.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर चुकाने के लिए किया जाएगा, जो वोडाफोन की भारतीय परिसंपत्तियों से सुरक्षित है। कंपनी ने यह भी कहा कि शेष राशि का इस्तेमाल वीआई द्वारा इंडस को बकाया भुगतान करने के लिए किया जाएगा।

कम हो गई सोने की कीमत, चांदी की कीमत में हुआ ये बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सोने और चांदी की कीमत में गिरावट हुई है। भारत और अमेरिका दोनों तरफ से आने वाले संकेतों से पता चला है कि इसका असर हो रहा है। भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति की बैठक भी चल रही है। अमेरिका में भी फेडरल रिजर्व अध्यक्ष की स्पीच सामने आई है। इसका असर कमोडिटी बाजार पर देखने को मिल रहा है। सोने–चांदी की कीमत में कमी देख रही है। मल्टी कमोडिटी

एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक सुबह नौ बजे सोने की कीमत में 41 रुपये की गिरावट आई है। इसके साथ ही बाजार में 10 ग्राम सोने की कीमत 76879 रुपये हो गई है। बता दें कि ये कीमत फरवरी वायदा कीमत की है। गिरावट के बाद फरवरी के लिए सोने की कीमत 76949 रुपये हो गई है। वहीं चांदी की कीमत पर गौर करें तो 92356 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। इस वर्ष की आखिरी मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू हो गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ये बैठक जारी है। इस बैठक में महंगाई दर को लेकर चिंता भी व्यक्त की जा रही है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और मौद्रिक नीति समिति के सदस्य भी रेपोरेट व अन्य दरों पर निर्णय लेते है। इसी बीच सोने की कीमत में मामूली गिरावट हुई है।

इंडिगो ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड, दुनिया की सबसे खराब एयरलाइनों में हुई शुमार

इंडिगो को इस साल दुनिया की सबसे खराब एयरलाइनों में शुमार किया गया है। एयरहेल्प स्कोर रिपोर्ट 2024 ने भारतीय एयरलाइन को 109 विश्लेषणों में से 103वें स्थान पर सबसे निचले पायदान पर रखा है। रिपोर्ट में एयर इंडिया को 61वें और एयरएशिया को 94वें स्थान पर रखा गया है। ब्रुसेल्स एयरलाइंस, कतर एयरवेज और यूनाइटेड एयरलाइंस शीर्ष तीन स्थानों पर हैं। यात्री मुआवज़ा दावों में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी AirHelp Inc- की वार्षिक रिपोर्ट में जनवरी से अक्टूबर तक के डेटा को शामिल किया गया है। इसने एयरलाइनों को रैंक करने के लिए वैश्विक ग्राहक दावों, समय पर प्रदर्शन और 54 देशों के यात्रियों से फीडबैक जैसे कारकों

का उपयोग किया – भोजन की गुणवत्ता, बैठने की सुविधा और चालक दल की सेवा जैसे पहलुओं का आकलन किया। एयरहेल्प के सीईओ टॉमस पावलिसिन के अनुसार, रैंकिंग का उद्देश्य एयरलाइन के प्रदर्शन का एक स्नैपशॉट प्रदान करना और एयरलाइनों को यात्रियों की प्रतिक्रिया को लगातार सुनने के लिए प्रोत्साहित करना है। ड्यूश लुफ्थांसा एजी का हिस्सा ब्रुसेल्स एयरलाइंस को वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ ऑल–अराउंड एयरलाइन का दर्जा दिया गया है, जिसने कतर एयरवेज को पीछे छोड़ दिया है, जो 2018 से शीर्ष स्थान पर रहने के बाद दूसरे स्थान पर आ गई है। यह बेल्जियम एयरलाइन के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिसे पिछले साल 12वें स्थान पर रखा गया था। यूनाइटेड एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। दोनों एयरलाइंस कम से कम 2022 से लगातार एयरहेल्प की शीर्ष 10 में स्थान पर हैं। इस साल उत्तरी अमेरिका में एक नया नाम एयर ट्रांसैट का शामिल हुआ, जो 36वें स्थान पर रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5 विकेट से दी मात, मेगन के सामने पस्त हुई टीम इंडिया

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच गंवा कर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मेगन शूट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई।

भारतीय महिला टीम और ऑस्ट्रेलियाई टीम के बीच ब्रिस्बेन में पहला वनडे मैच खेला गया। जिसे ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने 202 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से जीत लिया। इस दौरान भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। टीम महज 100 रन पर धराशाही हो गई। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच गंवा कर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मेगन शूट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को ब्रिस्बेन में ही खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की आसान जीत

101 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को फोएब लिचफील्ड और जॉर्जिया वोल (46) ने 48 रन की साझेदारी करके मजबूत शुरुआत दिलाई। रेणुका सिंह ने लिचफील्ड को कप्तान कौर के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। जल्द ही रेणुका ने एलिस पेरी (1) और बेथ मुनी (1) को पवेलियन की राह दिखाई। जॉर्जिया वोल ने एक छोर संभाले रखा और ऐनाबेल

सदरलैंड (6) के साथ चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। इसके बाद उन्होंने एश्ले गार्डनर (8) के साथ पांचवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को जीत के करीब पहुंचाया। ताहिला मैक्ग्रा (4) ने चौका जड़कर मेजबान टीम की जीत पर मुहर लगाई। भारत की तरफ से रेणुका सिंह ने 7 ओवर में 45 रन देकर तीन विकेट झटके। इसके अलावा प्रिया मिश्रा को दो विकेट मिले। बता दें कि, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। मगर ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मेगन शूट ने इस फैसले को पूरी तरह बेअसर कर दिया। शूट ने मेहमान टीम के टॉप ऑर्डर को हिलाया और फिर मिडिल व लोअर ऑर्डर में विकेट चटकाए।

एडिलेड टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ ये खिलाड़ी करेगा ओपनिंग, कप्तान रोहित शर्मा ने दिया अपडेट

शुक्रवार 6 दिसंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में डे–नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने अभी तक उठने वाले सबसे बड़े सवाल कि, यशस्वी जायसवाल के साथ कौन ओपनिंग करेगा? से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने पुष्टि की है कि केएल राहुल ही यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे। वहीं रोहित पिछली न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर खेली गई सीरीज के बाद से लगातार सवालों के घेरे में हैं। रोहित सीरीज की 6 पारियों में केवल एक बार पचास का आंकड़ा पार कर पाए हैं। उस दौरान वह 93 रन ही बना पाए थे। 15.16 का उनका औसत उनके टेस्ट करियर का सबसे खराब औसत रहा, जिसमें उन्होंने कम से कम तीन मैच खेले हों। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में रोहित शर्मा उपस्थित नहीं थे क्योंकि वो दूसरी बार पिता बने थे जिस कारण वो भारत में ही अपने परिवार के साथ थे। हालांकि, इसके बाद कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 के खिलाफ भी उन्होंने ओपनिंग की। इसके बाद चर्चा हो रही थी कि क्या वह एडिलेड में ओपनिंग करेंगे? रोहित शर्मा ने जानकारी दी है कि ऐसा ही होगा। रोहित ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, केएल राहुल ओपनिंग करेंगे। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है वह इसके हकदार हैं। मैं बीच में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। ये काफी सरल निर्णय था। व्यक्तिगत रूप से बल्लेबाज के तौर पर ये आसान नहीं था, लेकिन टीम के लिए ये एक आसान निर्णय था। वहीं पर्थ टेस्ट में टीम इंडिया के दोनों दिग्गज आर अश्विन और रविंद्र जडेजा नहीं खेले थे। लेकिन रोहित ने पुष्टि की है कि ये जोड़ी सीरीज के बाकी मैचों में अहम भूमिका निभाएगी। ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर को पर्थ में एकमात्र स्पिनर के रूप में मौका मिला था जहां जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में तेज गेंदबाजों ने दबदबा दिखाया था।

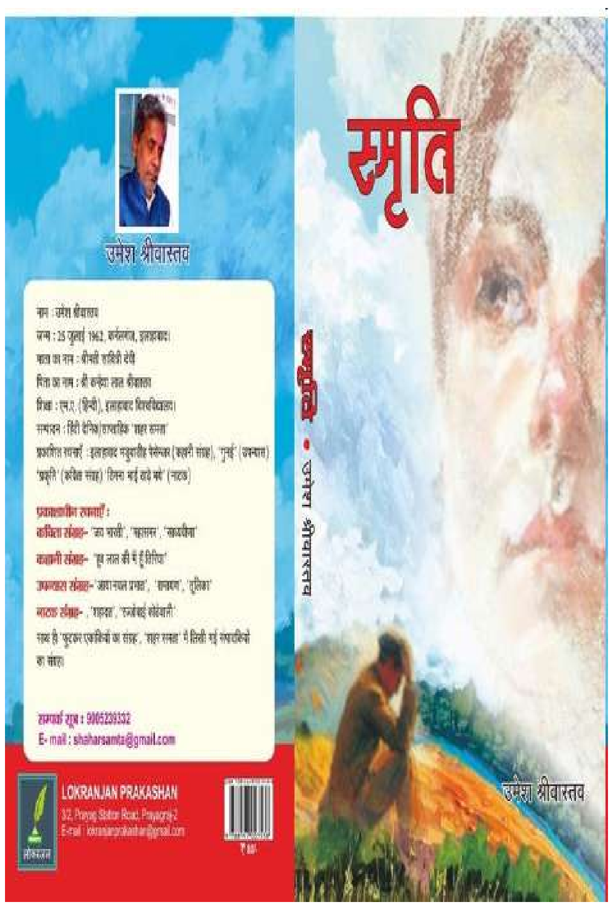

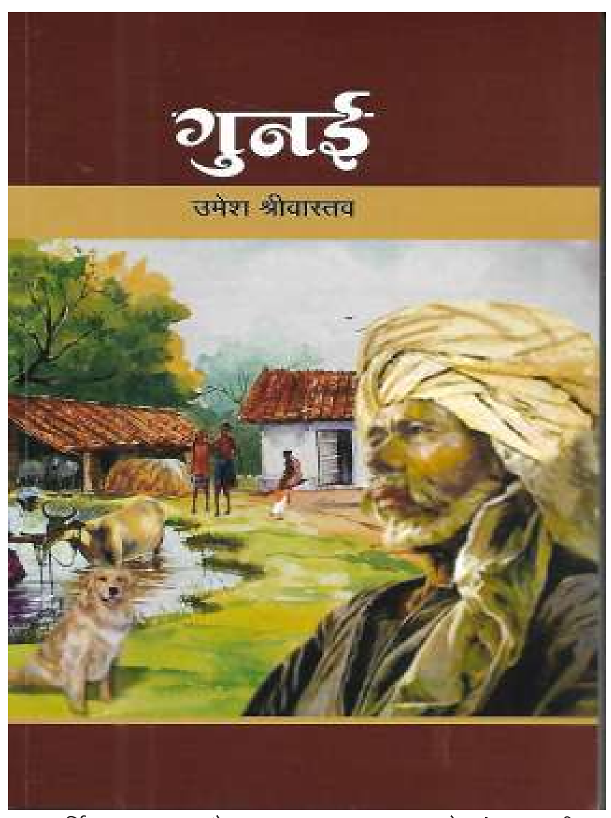

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

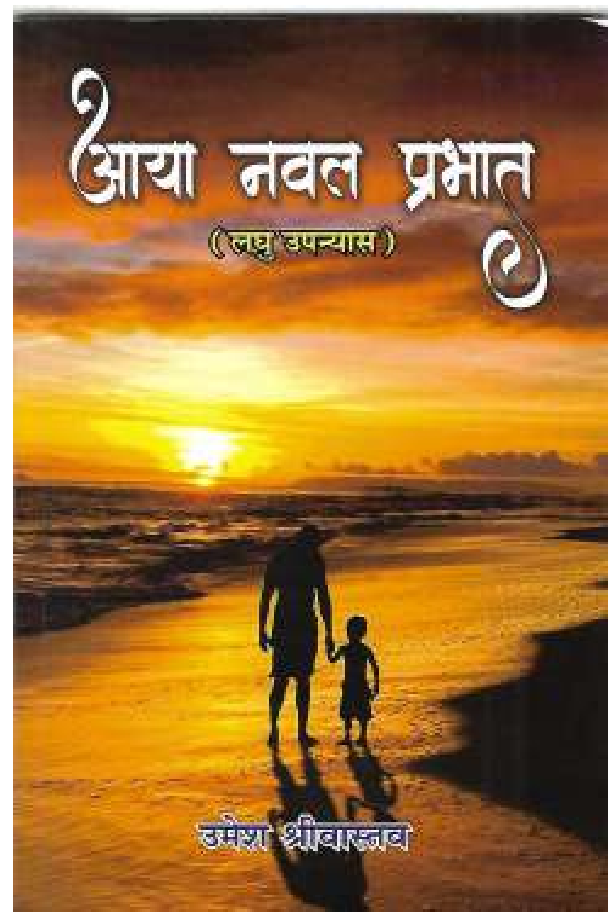

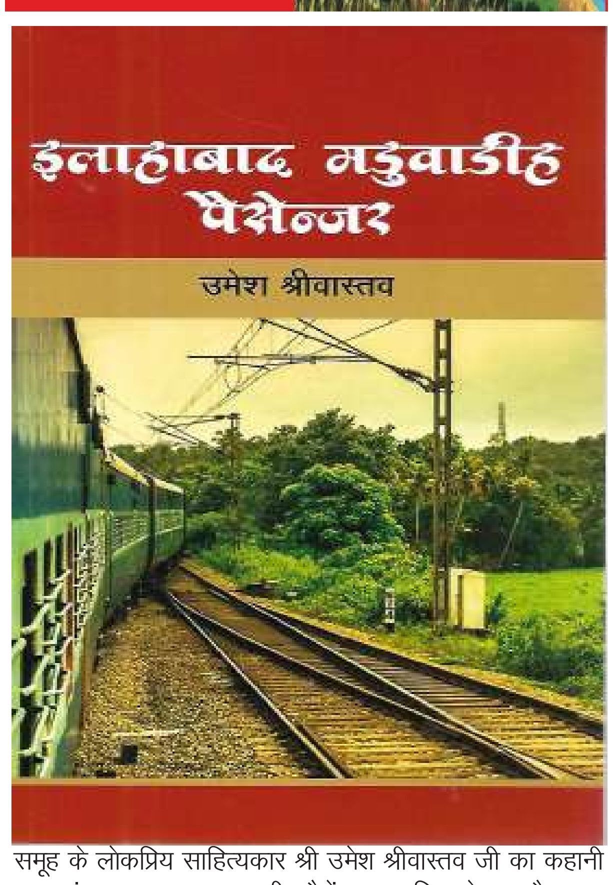

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

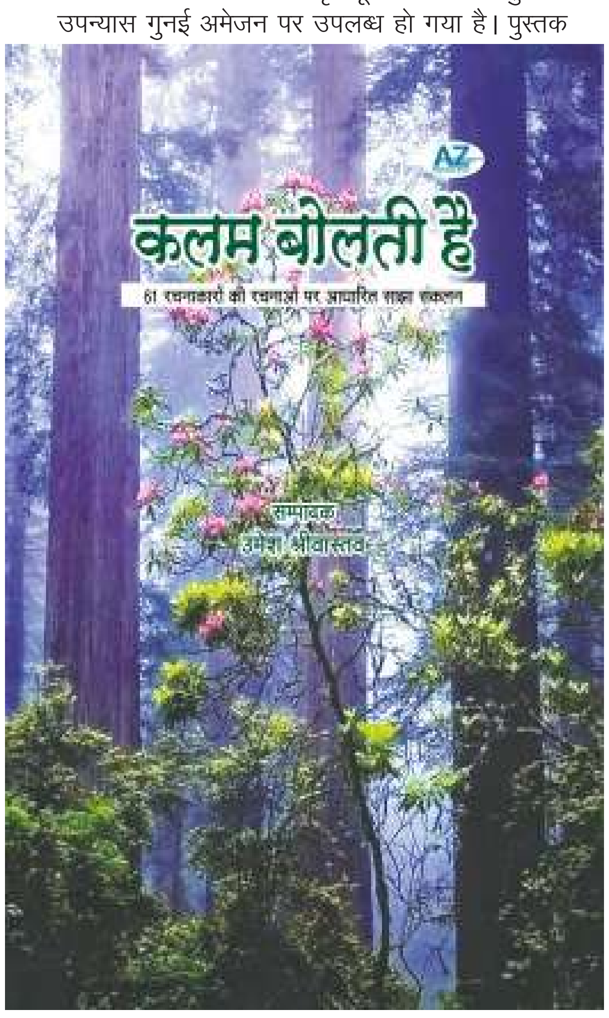

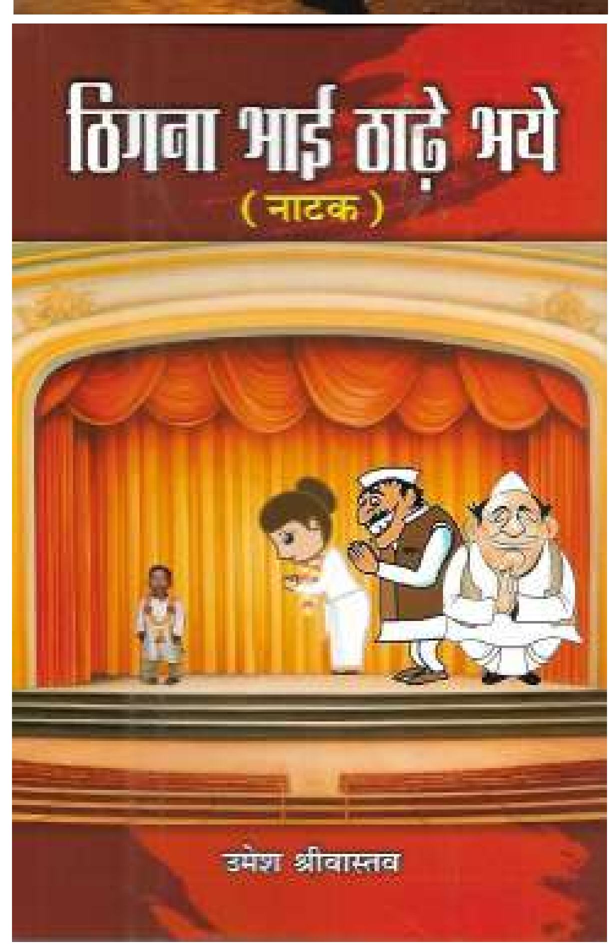

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान में लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

ईरान, एजेंसी। ईरान का एक लड़ाकू विमान बुधवार को देश के दक्षिणी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी टेलीविजन ने पायलटों की पहचान कर्नल हामिद रजा रंजबार और कर्नल मनोचेहर पीरजादे के रूप में की है। उसने बताया कि विमान की मरम्मत के बाद पायलट परीक्षण उड़ान पर थे। यह दुर्घटना

राजधानी तेहरान से लगभग 770 किलोमीटर दक्षिण में फिरोजाबाद शहर के पास हुई। रिपोर्ट में विमान के प्रकार या दुर्घटना के कारण के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया। ईरान की वायु सेना के पास 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले खरीदे गए अमेरिका निर्मित कई सैन्य विमान हैं। टॉमकैट एफ–14 अमेरिका निर्मित विमान है, ईरान के पास रूस निर्मित मिग और सुखोई विमान भी हैं। दशकों से पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण देश को विमान के 'स्पेयर पार्ट्स' (खराब हुए पुर्जों की जगह नए पुर्जे) प्राप्त करना और पुराने विमानों का रखरखाव करना मुश्किल हो रहा है।

गाजा के राहत शिविर पर किए गए इजराइली हवाई हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा के विस्थापित लोगों के राहत–शिविर पर इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 21 लोग मारे गए हैं। फलस्तीन के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी शहर खान यूनिस स्थित नासेर अस्पताल के निदेशक आतिफ अल–हौत ने बताया कि इस हवाई हमले में 28 लोग घायल हुए हैं। इजराइली सेना ने कहा कि वह आंकड़ों की जांच कर रही है, लेकिन उसने

इस संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। दक्षिणी शहर खान यूनिस के पास मुवासी इलाके में यह हमला किया गया है। इस इलाके में गाजा से विस्थापित हुए हजारों लोग रहते हैं। इजराइल सेना ने फलस्तीन के अन्य क्षेत्रों में किए गए हमले के बाद मुवासी इलाके के राहत शिविर में यह हमला किया है। इससे पहले गाजा के मध्य क्षेत्र पर हुए हमलों में चार बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी।

चीन के शेनझेन शहर में रेलवे निर्माण स्थल पर जमीन धंसने से 13 लोग लापता

चीन के शेनझेन शहर में रेलवे निर्माण स्थल पर अचानक जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंस जाने से 13 श्रमिक लापता हो गए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि शेनझेन के बाओआन जिले में शेनझेन–जियांगमेन रेलवे के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर बुधवार रात करीब 11 बजे जमीन धंसने की घटना हुई। घटना के बाद राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, आस–पास के घरों को खाली करवाया गया है और घटनास्थल के पास अस्थायी तौर पर यातायात रोक दिया गया है। वहीं दुर्घटना की जांच की जा रही है।

चीनने लगाया फॉरेन सीक्रेट सर्विस पर आरोप, क्राउडसोर्सिंग के माध्यम से लोगों को दिया जा रहा धोखा

चीन, एजेंसी। चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय (एमएसएस) ने विदेशी खुफिया एजेंसियों पर राज्य के रहस्यों को गुप्त रूप से प्राप्त करने के लिए क्राउडसोर्सिंग प्लेटफार्मों को नियोजित करने का आरोप लगाया है और नागरिकों से सहज ऑनलाइन कार्यों में संलग्न रहने के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है। अपने आधिकारिक वीचैट खाते पर एक हालिया बयान में एमएसएस ने विस्तार से बताया कि कैसे ये एजेंसियां छ्द्मकथित तौर पर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के कार्यों को छोटे–छोटे कार्यों में विभाजित करती हैं, वैध इंटरनेट प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यक्तियों की भर्ती करती हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, व्यापक जासूसी उद्देश्यों से अनजान प्रतिभागी डेटा एकत्र करते हैं। एमएसएस ने बताया कि विदेशी संस्थाओं ने ऐसे तरीकों के माध्यम से समुद्री जल विज्ञान, खनिज वितरण, ऊर्जा भंडार और उच्च–सटीक भौगोलिक जानकारी पर महत्वपूर्ण डेटा हासिल किया है। मंत्रालय ने कहा कि विदेशी जासूसी एजेंसियां छ्द्मव्यक्तियों को खुफिया जानकारी एकत्र करने में अनजाने में भाग लेने के लिए लुभाने के लिए उच्च वेतन वाली अंशकालिक नौकरियों या सूचना एकत्र करने के अवसरों के लिए ऑनलाइन विज्ञापन पोस्ट कर सकती हैं। एमएसएस ने गोपनीयता के महत्व को दोहराया, जनता को संवेदनशील जानकारी का ऑनलाइन खुलासा करने या अज्ञात संस्थाओं के लिए डेटा एकत्र करने से बचने और विदेशी जासूसी एजेंसियों से संभावित खतरों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ब्रिटेन में अलोकप्रिय हो रहे पीएम किएर स्टार्मर, अब लाएंगे लेबर सरकार की नीतियों में बदलाव की योजना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर जल्द ही ब्रिटेन में किए गए चुनावी वादों को निभाने के लिए नई योजना लेकर आने वाले हैं। दरअसल, लेबर सरकार के पांच महीने पहले सत्ता में आने के बाद से ही उस पर वादों को न निभाने के आरोप लगे हैं। इतना ही नहीं, हाल ही में उनकी सरकार के एक मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया। ऐसे में प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और उनकी लेबर पार्टी की लोकप्रियता में लगातार गिर रही है। अब लेबर पार्टी जल्द ही अपनी नई नीतियों के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित करने पर विचार कर रही है, जिससे मतदाता उनके प्रशासन के कामकाज को परख सकें। लेबर सरकार का कहना है कि इस तरह लक्ष्य निर्धारित करने से जनता को साफ पता चलेगा कि उनके शासन में कितना काम हुआ है और वादों को किस तरह से निभाया गया।

किन समस्याओं से जूझ रही है स्टार्मर सरकार?

गौरतलब है कि किएर स्टार्मर की सरकार अब तक अपने वादों से पीछे हटने और कुछ विवादित फैसलों के चलते मुश्किल में घिरी है। खासकर पेंशन लेने वाले लोगों को सर्दी में ईंधन के लिए दी जाने वाली रकम की कटौती, बच्चों को मिलने वाले फायदों को रोकने और अमीर दानकर्ताओं से गिफ्ट लेने के आरोपों के चलते नई सरकार का अब तक का कार्यकाल विवादों से भरा रहा है। इतना ही नहीं बीते पांच महीनों में लेबर सरकार को कई इस्तीफों का भी सामना करना पड़ा है। कुछ समय ही प्रधानमंत्री कार्यालय में अधिकारियों के दो धड़ों में बंटने की खबरों के बाद चीफ ऑफ स्टाफ स्यु ग्रे के इस्तीफा देना पड़ा था। इसके अलावा पिछले हफ्ते ही लेबर सरकार को अपने पहले मंत्री का भी स्वीकार करना पड़ा, जब लुई हैय ने परिवहन विभाग से इस्तीफा दे दिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने सांसद बनने से पहले एक आपराधिक मामले में आरोप स्वीकार कर लिए थे। इसे लेकर काफी विवाद भी पैदा हुआ था। किएर स्टार्मर की सरकार की तरफ से 30 अक्तूबर को पेश हुए बजट में उनके वित्त मंत्री विरासत टैक्स और कंपनियों की तरफ से कर्मचारियों को मिलने वाले फायदों को बढ़ाने को लेकर कोई सकारात्मक तथ्य नहीं दे पाए थे। इससे देश के किसानों और व्यापार वर्ग में गुस्से की बात सामने आई थी।

ब्रिटेन को क्या नया देने वाले हैं स्टार्मर?

बताया गया है कि किएर स्टार्मर पहली स्टेज में देश का आधार मजबूत करने के बाद अब अपनी बदलाव की योजना के तहत अगले दशक को शास्त्रीय नवीनीकरण की नीति के तहत आगे बढ़ाना चाहते हैं। स्टार्मर का कहना है कि बीते वर्षों में कंजर्वेटिव पार्टी की लगातार 14 साल चली सरकार में हुए खर्चों की वजह से उन्हें कई विभाग खराब हालत में मिले हैं। लेबर पार्टी का आरोप है कि उसे सार्वजनिक वित्तीय सेवाओं में 22 अरब पाउंड का कर्ज विरासत में मिला है। साथ ही जेल सिस्टम और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं (एनएचएस) की हालत भी खराब है।

मार्शल लॉ के मुद्दे पर दक्षिण कोरिया में हंगामा जारी, चार अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने को लेकर हंगामा जारी है। अब दक्षिण कोरिया की संसद ने सरकार के चार अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू की है। मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी ने अन्य छोटी पार्टियों के साथ मिलकर राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया है।

चार अधिकारियों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू

मुख्य विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने देश के बोर्ड ऑफ ऑडिट इंस्पेक्शन के चेयरमैन चोई जे हे और तीन शीर्ष सरकारी अभियोजकों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू की है। इन चारों को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है और महाभियोग प्रस्ताव पर फैसला आने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया है। आरोप है कि इन अधिकारियों ने विपक्ष पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया, जिसके चलते राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने का फैसला किया।

रक्षा मंत्री को पद से हटाया

गौरतलब है कि राष्ट्रपति योल ने अपने रक्षा मंत्री को पद से हटा दिया है और उनकी जगह चोई ब्युंग हूक को नया राष्ट्रपति बनाया है। हूक सऊदी अरब में दक्षिण कोरिया के राजदूत थे और दक्षिण कोरियाई सेना में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। हूक के पद संभालने तक उप–रक्षा मंत्री किम सिओन हो बतौर रक्षा मंत्री जिम्मेदारी संभालेंगे। देश में मार्शल लॉ लगाने के बाद से राष्ट्रपति यून सुक योल सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दिए हैं।

राष्ट्रपति ने क्यों लगाया था मार्शल लॉ

राष्ट्रपति ने टीवी पर प्रसारित बयान में बताया कि देश को उत्तर कोरिया और देश विरोधी ताकतों से खतरा है। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि अपनी राजनीति परेशानियों के चलते राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने का फैसला किया था। मंगलवार रात को राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में सरकार को कमजोर करने के विपक्ष के प्रयासों का जिक्र किया और कहा कि 'तबाही मचाने वाली देश विरोधी ताकतों को कुचलने के लिए मार्शल लॉ की घोषणा करते हैं।'

भारत की 'मेक इन इंडिया' नीति के मुरीद हुए रूसी राष्ट्रपति पुतिन, पीएम मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की मेक इन इंडिया नीति की तारीफ की है और कहा कि मेक इन इंडिया नीति के चलते भारत में छोटे और मध्यम वर्ग के उद्योगों में स्थिरता आई है। इससे भारत की आर्थिक गति को भी मजबूती मिली है। रूसी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की और मेक इन इंडिया नीति के लिए उन्हें श्रेय दिया।

पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की

रूसी राष्ट्रपति पुतिन राजधानी मॉस्को में बुधवार को वीटीबी इन्वेस्टमेंट फोरम के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पुतिन ने कहा कि भारत का मेक इन इंडिया अभियान और रूस का इंपोर्ट सब्सटिट्यूशन प्रोग्राम एक जैसे ही हैं। पुतिन ने कहा कि भारत की सरकार ऐसी नीति बना रही है, जिसमें वे अपने हितों को सबसे ऊपर रख रहे हैं। पुतिन ने भी भारत में एक विनिर्माण केंद्र स्थापित करने की बात कही। पुतिन ने कहा कि भारत सरकार अपने छोटे और मझोले उद्योगों को स्थिरता देने की कोशिश कर रही है। पुतिन ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारत में निवेश करना फायदे का सौदा साबित होगा।

ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने पर फोकस

पुतिन ने ब्रिक्स देशों के बीच एसएमई (छोटे और मझोले उद्योगों) के विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने रूस के बाजार में अपनी जगह बना रहे नए रूसी ब्रांड्स को भी सराहा, जो पश्चिमी ब्रांड्स की जगह ले रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने उपभोक्ता वस्तुओं, आईटी, उच्च तकनीक और कृषि क्षेत्र में रूसी सफलता की ओर इशारा किया। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि 1988 में, सोवियत संघ ने 35 अरब अमेरिकी डॉलर का अनाज आयात किया, और पिछले साल, हमने 66 अरब अमेरिकी डॉलर का अनाज निर्यात किया, जो काफी हद तक हमारे किसानों और उत्पादकों की योग्यता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्री का इस्तीफा, मार्शल लॉ लगाने की जिम्मेदारी ली

दक्षिण कोरिया, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून ने इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा राष्ट्रपति यूं सुक येओल द्वारा थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू करने को लेकर उथल–पुथल के बीच आया है, जिसने सियोल की सड़कों

पर सशस्त्र सैनिकों को ला दिया था। यून ने सेवानिवृत्त चार सितारा जनरल चोई ब्यूंग हुक को सऊदी अरब में दक्षिण कोरिया के राजदूत हैं, नए रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया। रक्षा मंत्री किम योग–ह्यून ने माफी मांगी और इस्तीफा दे दिया। किम ने कहा कि मैंने इमरजेंसी मार्शल लॉ की वजह से पैदा हुई उथल–पुथल की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। आरोप है कि किम ने कथित तौर पर मार्शल लॉ घोषित करने का प्रस्ताव रखा था। आज, राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय रक्षा मंत्री किम योंग–ह्यून का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनकी बर्खास्तगी को मंजूरी दे दी, और सऊदी अरब में राजदूत चोई ब्युंग–ह्यूक को नए पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। यून ने अभी तक कोई सार्वजनिक उपस्थिति नहीं दिखाई है क्योंकि उन्होंने टेलीविजन पर एक संबोधन में घोषणा की थी कि उनकी सरकार मार्शल लॉ घोषणा को हटा रही है। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और अन्य छोटे विपक्षी दलों ने मार्शल लॉ की घोषणा पर यून पर महाभियोग चलाने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। यह संघर्ष केवल छह घंटे तक चला, जिसके बाद नेशनल असेंबली ने तेजी से राष्ट्रपति के शासन को खारिज करने के लिए मतदान किया, जिससे यून की कैबिनेट को बुधवार को सुबह होने से पहले इसे निपटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। यून की मार्शल लॉ की घोषणा 40 से अधिक वर्षों में अपनी तरह की पहली थी, जो दक्षिण कोरिया की पिछली सैन्य समर्थित सरकारों की याद दिलाती है जब अधिकारी कभी–कभी मार्शल लॉ और अन्य फ़रमानों की घोषणा करते थे जो उन्हें सड़कों पर या सार्वजनिक स्थानों पर सैनिकों, टैंकों और बख्तरबंद वाहनों को तैनात करने की अनुमति देते थे।

मोदी के दोस्त मैक्रों की फ्रांस में होगी वापसी? 3 महीने में ही गिरी बार्नियर की सरकार

फ्रांस, एजेंसी। फ्रांसीसी सांसदों ने ऐतिहासिक अविश्वास मत पारित किया, जिससे प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर और उनके मंत्रिमंडल को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। सितंबर में नियुक्त रूढ़िवादी मिशेल बार्नियर को अब 1958 में स्थापित पांचवें गणराज्य में फ्रांस के सबसे कम समय तक सेवा करने वाले प्रधान मंत्री होने का गौरव प्राप्त है, उनकी अल्पमत सरकार केवल तीन महीने तक चली थी। इस गर्मी की शुरुआत में आकस्मिक संसदीय चुनावों के बाद उनका तेजी से निष्कासन हुआ, जिसने त्रिशंकु संसद का निर्माण किया, जहां किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला, जिससे सरकार की स्थिरता को प्रभावित करने के लिए धुर दक्षिणपंथी निर्णायक स्थिति में आ गए। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने बुधवार को बजट विवाद के कारण ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर मतदान किया, जिसके कारण प्रधानमंत्री माइकल बार्नियर और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा। 'नेशनल असेंबली' (फ्रांस की संसद) ने 331 मतों से प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके लिए कम से कम 288 मतों की जरूरत थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जोर दिया कि वह 2027 तक अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे।

दिल्ली के 2 दिवसीय दौरे पर भूटान नरेश, बताया भारत को सबसे भरोसेमंद पड़ोसी

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और उनकी पत्नी ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक 5–6 दिसंबर तक आधिकारिक यात्रा पर भारत दौरे पर हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने उनका स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि भूटान नरेश की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच 'दोस्ती के अनूठे बंधन' और मजबूत होंगे। आज नई दिल्ली आगमन पर एक पोस्ट में। उनकी यात्रा हमारी दोस्ती के अनूठे बंधन को और मजबूत करेगी। जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और जेटसन पेमा वांगचुक भूटान सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ

(एमईए) के मुताबिक, अपनी यात्रा नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी जिग्मे खेसर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा मित्रता और सहयोग के अनूठे विश्वास की विशेषता है। यह यात्रा के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करने प्रदान करेगी। 2 दिसंबर को भूटान मंत्री, ल्योनपो नामग्याल दोरजी प्रेरणा के स्तंभ के रूप में भारत

भारत पहुंचे। विदेश मंत्रालय के दौरान भूटान के राजा प्रधानमंत्री जयशंकर और भारत सरकार के नामग्याल वांगचुक से मुलाकात कि भारत और भूटान के बीच संबंध हैं, जो आपसी समझ और दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग और इसे आगे बढ़ाने का अवसर के उद्योग, वाणिज्य और रोजगार ने भूटान के लिए समर्थन और की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि

दोनों देशों के बीच विश्वास और साझा मूल्य भारत को भूटान की आकांक्षाओं का समर्थक बनाते हैं। दिल्ली में 29वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन 2024 के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए दोरजी ने कहा कि भूटान के सबसे करीबी भागीदार के रूप में भारत की भूमिका न केवल समर्थन का स्तंभ है, बल्कि एक प्रेरणा भी है। विश्वास, सहयोग और हमारे दोनों देशों के बीच साझा मूल्य भारत को भूटान की आकांक्षाओं का समर्थक बनाते हैं, भारत हमारे लिए अवसरों को सक्षम बनाता है, कनेक्शन और जुड़ाव को सुविधाजनक बनाता है। यह सहयोग और पारस्परिक विकास की भावना है जो दोनों देशों को उत्साहित करती है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,करैलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।